डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :12 | अंक : 209 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार, 05 जुलाई 2024 | मूल्य: 1.50 रुपये

टीम इंडिया के विजय जुलूस के दौरान कई फैंस की तबीयत बिगड़ी, किसी को लगी चोट तो कोई बेहोश होकर गिरा

वानखेड़े स्टेडियम में जाने से पहले चार जुलाई को हुई विजय यात्रा में लाखों की संख्या में फैंस चैंपियंस का स्वागत करने पहुंचे। हालांकि, इस दौरान कुप्रबंधन की शिकायतें मिली हैं।

टी20 विश्व कप 2024 जीतने के बाद टीम इंडिया वापस देश लौट आई है। हर कोई उनका स्वागत करने को बेताब था। ऐसे में सभी भारतीय खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के स्वागत के लिए मुंबई के मरीन ड्राइव पर विक्ट्री परेड का आयोजन हुआ। इस दौरान लाखों की संख्या में क्रिकेट फैंस का हुजूम उमड़ा। खिलाड़ियों ने खुली बस में इस सफर का जमकर आनंद लिया। हालांकि, यह विक्ट्री परेड कुछ फैंस के लिए मुसीबत भी बन गई। भीड़ के कारण कुछ क्रिकेट फैंस घायल हो गए तो कुछ को सांस लेने में दिक्कत आई।

फैंस ने किया स्वागत

टीम इंडिया का दिल्ली से लेकर मुंबई तक फैंस ने पूरी मोहब्बत के साथ उनका स्वागत किया। वानखेड़े स्टेडियम में जाने से पहले चार जुलाई को हुई विजय यात्रा में लाखों की संख्या में फैंस चैंपियंस का स्वागत करने पहुंचे। फैंस का ऐसा जज्बा देख वर्ल्ड चैंपियंस ने सभी का धन्यवाद किया।

यात्रा के बाद ऐसे दिखे हालात

इस यात्रा के बाद सड़क पर चप्पलें बिखरी हुई थीं और मरीन ड्राइव के आसपास खड़ीं कारों की छतें क्षतिग्रस्त हो गई थीं, जिससे भीड़ की तस्वीर उभर कर सामने आई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि प्रशंसक कारों की छतों पर चढ़ गए थे और खुशी में नाचने लगे थे, जिससे कारों को नुकसान पहुंचा।

युवती बेहोश गिरी

वहीं, फैंस की भारी भीड़ के बीच एक युवती बेहोश हो गई, जिसे एक पुलिसकर्मी ने कड़ी मशक्कत के बाद बचाया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। भीड़ में कई लोगों के घायल होने की खबर भी सामने आई है।

कुप्रबंधन की शिकायतें मिलीं

वीडियो और तस्वीरों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि किस तरह की स्थिती रही होगी। वहीं, विक्ट्री परेड के दौरान कुप्रबंधन की शिकायतें भी मिली हैं। विक्ट्री परेड को देखने गए ऋषभ महेश यादव ने कहा कि वह भीड़ के धक्का लगने से फिसल गए थे और बाद में सांस लेने में दिक्कत हुई और बेहोश हो गए।

उन्होंने बताया, 'भीड़ लगातार बढ़ती जा रही थी। मैं गिर गया और दम घुटने लगा। बाद में मैं बेहोश हो गया और मुझे पास के अस्पताल ले जाया गया। फिलहाल मैं अब ठीक महसूस कर रहा हूं। भीड़ जरूरत से ज्यादा थी। कुप्रबंधन था। पुलिस भी सतर्क नहीं थी।'

ऑफिस से लौट रहे रवि सोलंकी ने

भी इसी तरह का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'भीड़ बढ़ती जा रही थी। पुलिस स्थिती को नहीं संभाल पा रही थी। कुछ लोगों के एक दूसरे के ऊपर बेहोश होकर गिरने के बाद लोगों ने चिल्लाना शुरू कर दिया। स्थिती को बिल्कुल सही से नियंत्रित नहीं किया गया था। व्यवस्था संभालने वाला कोई नहीं था। यह पूरी घटना रात सवा आठ बजे से पौने नौ बजे के बीच में हुई थी।

विक्ट्री परेड के कारण दक्षिण मुंबई में भारी ट्रैफिक जाम लग गया और पुलिस ने मरीन ड्राइव की ओर जाने वाले वाहनों की आवाजाही रोक दी, जिससे वैकल्पिक मार्गों पर अफरातफरी मच गई। वहीं, वानखेड़े स्टेडियम खचाखच भरा हुआ था, जहां बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों ने खिलाड़ियों को 125 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया।

असम में बाढ़ ने और बिगाड़े हालात

29 जिलों में 21 लाख से अधिक लोग प्रभावित; छह और की मौत

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, बाढ़ से असम के 29 जिलों में कुल 21,13,204 लोग प्रभावित हुए हैं। जबकि, 57,018 हेक्टेयर फसल भूमि जलमग्न हो गई है। सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में धुबरी में 6,48,806 लोग, दारांग में 1,90,261, कछार में 1,45,926, बारपेटा में 1,31,041 और गोलाघाट में 1,08,594 लोग प्रभावित हैं।

असम में बाढ़ से हालात और बिगड़ते जा रहे हैं। गुरुवार को छह और लोगों की मौत हो गई। इनमें से चार गोलाघाट और एक-एक डिब्रूगढ़ और चराइदेव से थे। इनके साथ ही इस साल बाढ़, भूस्खलन और तूफान से मरने वालों की संख्या 62 हो गई है। वहीं, 29 जिलों में 21 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं, दूसरी तरफ राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने बाढ़ प्रभावित मोरीगांव जिले का दौरा किया और भूरागांव गांव के प्रभावित लोगों से बातचीत की। उन्होंने मौजूदा बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान राज्यपाल ने जिला प्रशासन को राहत के लिए पर्याप्त इंतजाम करने का निर्देश दिया। जबकि, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुवाहाटी महानगर क्षेत्र में मालीगांव, पांडु बंदरगाह, मंदिर घाट और माजुली में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, बाढ़ से असम के 29 जिलों में कुल 21,13,204 लोग प्रभावित हुए हैं। जबकि, 57,018 हेक्टेयर फसल भूमि जलमग्न हो गई है। सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में धुबरी में 6,48,806 लोग, दारांग में 1,90,261, कछार में 1,45,926, बारपेटा में 1,31,041 और गोलाघाट में 1,08,594 लोग प्रभावित हैं। वर्तमान में, 39,338 प्रभावित लोग 698 राहत शिविरों में शरण ले रहे हैं। वहीं, कामरूप (मेट्रो) जिले में अलर्ट जारी किया गया है, जहां ब्रह्मपुत्र, दिगारू और कोलोंग नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

कोरोना काल में जन्मे बच्चों की अजीब हरकत; फेंक रहे कुर्सियां

कोरोना काल में जन्म लेने वाले बच्चों पर इस बीमारी का दुष्प्रभाव पड़ा है। ऐसे बच्चे ज्यादा गुस्सा और हिंसा कर रहे हैं। इसके साथ ही स्कूलों में भी ये बच्चे हर काम में पीछे रह रहे हैं।

कोरोना काल के दुष्प्रभाव बच्चों में लंबे समय बाद धीरे-धीरे सामने आने लगे हैं। महामारी के समय पैदा हुए बच्चे अब स्कूलों में कई परेशानियों का सामना कर रहे हैं। शिक्षकों ने इस वर्ष छात्रों पर किया है।

कई कारकों ने प्रभावित किया

विशेषज्ञों ने कहा कि जब महामारी शुरू हुई तो बच्चे औपचारिक स्कूल में नहीं थे। उस उम्र में बच्चे वैसे भी घर पर बहुत अधिक

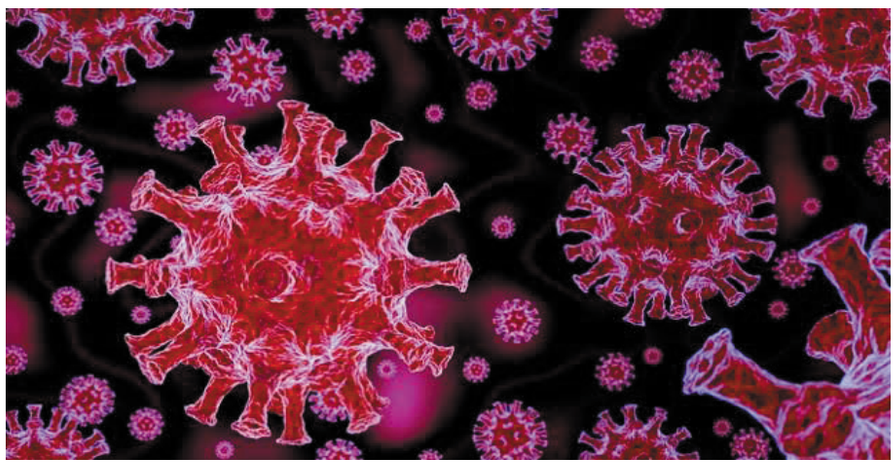

समय बिताते हैं। हालांकि, बच्चे के शुरुआती साल उनके मस्तिष्क के विकास के लिए सबसे अहम होता है। महामारी के कई कारकों ने छोटे बच्चों को प्रभावित किया है। जैसे माता-पिता का तनाव, लोगों के बीच कम संपर्क, प्री-स्कूल में कम उपस्थिति, स्क्रीन पर अधिक समय और खेलने में कम समय।

मुश्किल से बोल पा रहे कई छात्र

सेंट पीटर्सबर्ग (फ्लोरिडा) के किंडरगार्टन शिक्षक डेविड फेल्डमैन ने बताया कि 4 और 5 साल के कई बच्चे बिना किसी कारण के कुर्सियां फेंक रहे हैं, एक-दूसरे को काट रहे हैं, मार रहे हैं। इसके अलावा टॉमी शेरिडन ने 11 साल तक किंडरगार्टन में पढ़ाया है। उन्होंने कहा-कई छात्र मुश्किल से बोल पा रहे थे। कई शौचालय नहीं जा सकते। कई तो पेंसिल पकड़ने में भी परेशानी महसूस कर रहे थे। प्री-स्कूल शिक्षिका फ्रेडरिक ने कहा कि इस साल आने वाले बच्चे इतने अधिक निपुण नहीं थे जितने महामारी से पहले थो।

बच्चों में उम्र के अनुसार विकसित नहीं हो पाया कौशल

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि महामारी के वक्त जन्म लेने वाले नवजात बच्चे अब प्री-स्कूल में जाने की उम्र के हो गए हैं। महामारी का उन पर प्रभाव स्पष्ट रूप से दिख रहा है। उनमें से कई शैक्षणिक बातों को पकड़ नहीं पाते हैं। साथ ही उनका विकास भी धीमा है। यह स्थिति दो दर्जन से अधिक शिक्षकों, बाल रोग विशेषज्ञों और नवजात के विशेषज्ञों के साथ किए गए साक्षात्कार के आधार पर कही गई है। इसमें एक ऐसी नई पीढ़ी दिख रही है जिनमें उम्र के अनुसार कौशल विकसित नहीं हो पाया है। बच्चे अपनी जरूरतों को बताने, आकृतियों और अक्षरों को पहचानने, अपनी भावनाओं को प्रदर्शित करने या साथियों के साथ अपनी समस्याओं को हल करने में सक्षम नहीं हैं।

महामारी के तनाव और अलगाव के प्रभावों को स्पष्ट रूप से देखा। इनमें कई छात्र ऐसे हैं जो कि बड़ी मुश्किल से कुछ बोल पाते हैं।

कई ऐसे छात्र हैं, जो कक्षाओं में पूरे समय तक चुपचाप बैठे रहते हैं जैसे उनका कुछ खो गया हो और कई तो ऐसे हैं जो पेंसिल भी नहीं पकड़ पा रहे हैं। कुछ छात्र आक्रामक हो गए हैं। वे बेवजह कुर्सियां फेंक रहे हैं और एक दूसरे को काट रहे हैं। अमेरिका के पोर्टलैंड स्थित ओरेगन हेल्थ एंड साइंस यूनिवर्सिटी के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. जैमे पीटरसन का कहना है कि निश्चित रूप से महामारी के समय पैदा हुए बच्चों को पिछले वर्षों की तुलना में विकास संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा विभिन्न वैज्ञानिक शोधों से यह भी पता चला है कि महामारी ने कई छोटे बच्चों के शुरुआती विकास को प्रभावित

हाथरस की भगदड़ में नया खुलासा

पांच फोन नंबर साबित होंगे अहम कड़ी? हादसे के बाद इनसे बाबा को की गईं 20 कॉल्स

हादसे के बाद पांच नंबरों से बाबा को 20 कॉल किए गए हैं। मुख्य आयोजक सहित उसके पांच सहयोगियों ने भोले बाबा उर्फ सूरजपाल को एक-एक घटनाक्रम की जानकारी दी है। माना जा रहा है कि फिर बाबा से निर्देश प्राप्त होने पर ही सभी ने भूमिगत होने का कदम उठाया है।

पुलिस की एसओजी टीमों ने बुधवार से मुख्य आयोजक व अन्य की गिरफ्तारी के लिए अभियान तेज किया। जब इनकी लोकेशन जानने के लिए इनके मोबाइल नंबरों पर काम शुरू किया तो पाया कि मुख्य आयोजक सहित पांच नंबर ऐसे हैं, जिन्होंने हादसे के बाद तत्काल एक ही नंबर पर लगातार 20 बार कॉल किया है। फिर वे पांचों नंबर बंद हो गए हैं।

जिस नंबर पर कॉल किया गया है। वह जांच में बाबा का पाया गया है। इसके बाद से ही माना जा रहा है कि बाबा को इन लोगों ने पूरी जानकारी दी है। माना जा रहा है कि बाबा ने उन्हें शायद छिपने के ठिकाने भी बताए हों। यह भी बताया हो कि किन-किन लोगों को जरूरी तौर पर हाथ नहीं आना है। हालांकि इन तमाम सवालों के जवाब इनकी गिरफ्तारी के बाद ही मिलेंगे।

जांच में नाम आने पर होगी बाबा से पूछताछ: आईजी

आईजी शलभ माथुर ने कहा कि जांच का दायरा बढ़ता जा रहा है। जो भी तथ्य जांच में सामने आ रहे हैं, उसके अनुसार कार्रवाई की जा रही है। जांच में नाम सामने आने पर भोले बाबा से पूछताछ की जा सकती है। मुकदमे की विवेचना सीओ हाथरस रामप्रवेश राय को सौंपी गई है।

जैसे-जैसे नाम सामने आ रहे... वैसे लोगों से की जा रही पूछताछ

इंस्पेक्टर कोतवाली हाथरस विजय कुमार को सहयोगी विवेचक बनाया गया है। पुलिस लाइन में मीडिया के सवालों पर उन्होंने कहा कि हादसे की जांच चल रही है। शुरुआती जांच में एक नामजद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है, जिसकी तलाश जारी है। इनाम भी घोषित किया गया है। जैसे-जैसे नाम सामने आ रहे हैं। उन लोगों से पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तारी भी की जा रही है। अगर बाबा का नाम सामने आया तो उससे भी पूछताछ की जाएगी।

सेवादार कह रहे थे...बाबा का नाम पुकारो

सत्संग खत्म होने के बाद जब एक लाख की भीड़ पंडाल से निकलकर हाईवे की तरफ बढ़ी तब भीड़ के दबाव में बुजुर्ग महिलाओं को सांस लेने में तकलीफ होने लगी थी। इसी दौरान भगदड़ मच गई तो यह महिलाएं भीड़ में फंस गई और मदद के लिए पुकारने लगीं। यहां मौजूद सेवादार इन महिलाओं को भीड़ से सुरक्षित निकालने की बजाए कहने लगे....कुछ नहीं होगा, नारायण साकार हरि पुकारो। बाबा मदद करेंगे। अस्पतालों में भर्ती रहीं महिलाओं ने पुलिस की जांच में यह बयान दर्ज कराए हैं।

सत्संग में एक लाख से अधिक भीड़ पहुंची थी

सिकंदराराऊ के फुलरई मुगलगढ़ी गांव में 2 जुलाई को आयोजित भोले बाबा के सत्संग में एक लाख से अधिक भीड़ पहुंची थी। प्रशासन का जो मानना है उसके मुताबिक 50 हजार से ज्यादा भीड़ महिलाओं की थी। सत्संग भले ही 12 बजे से शुरू हुआ था लेकिन दूरदराज से पहुंची महिलाएं सुबह को 7 बजे से ही पंडाल में पहुंच गईं थीं। उस वक्त गर्मी बहुत थी और उमस से यहां मौजूद लोग परेशान हो रहे थे। दोपहर को जब सत्संग खत्म हुआ तो महिलाएं जाने लगीं।

अब इतनी भीड़ के बीच जो बुजुर्ग महिलाएं थीं उन्हें सांस लेने में तकलीफ होने लगी। बेहोशी सी छाने लगी। झारखंड से पहुंची गोमती ने बताया कि उन्हें ब्लड प्रेशर की भी दिक्कत रहती है। फेफड़े भी कमजोर हैं। भीड़ में ऐसा लगने लगा था कि दम घुट जाएगा। एक सेवादार को दर्द बताते हुए कहा कि उसे भीड़ के बीच से निकाल दो। इस पर सेवादार चिल्लाते हुए बोला...कुछ नहीं होगा बाबा का नाम पुकारो। वह बेहोश होकर गिर गई थी। बाद में उसके साथ आईं गांव की महिलाएं उसे बाहर निकालकर ले गईं। कुछ ऐसा ही हुआ नई बस्ती की ब्रहमो देवी के साथ। उनकी उम्र भी 60 साल है।

झारखंड की गोमती बोलीं- सेवादार डंडे से हांक रहे थे भीड़

शुगर की मरीज हैं। उन्होंने बताया कि वह अपने देवरानी के साथ आईं थीं। भीड़ के बीच उन्हें सांस लेने में परेशानी होने लगी। अब इतनी भीड़ के बीच से निकलते कैसे। तभी सेवादार की वर्दी पहने खड़े दो लोगों को उनकी देवरानी बुलाकर लाईं और मदद मांगी। मगर वह यह कहकर वहां से चले गए कि बाबा को पुकारो। शक्ति आ जाएगी। झारखंड की गोमती देवी तीन महिलाओं के साथ यहां आईं थीं। उनकी उम्र 55 साल है। गोमती ने पुलिस को बताया कि सेवादार डंडे से भीड़ को हांक रहे थे। होना यह चाहिए था कि पहले महिलाओं को निकालते। लेकिन सभी को एक साथ निकाला जा रहा था। उनकी भी तबीयत बिगड़ गई थी। वह पंडाल में ही गिर गई थी। दो महिला सेवादार आईं और कहने लगीं कि बाबा का नाम लेकर थोड़ा पानी पी लो। आराम मिलेगा।

गिरफ्तार सेवादार बोले, भगदड़ मचते ही वह वहां से भाग गए थे

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए छह सेवादारों ने बताया कि भीड़ ज्यादा थी और इंतजाम कम थे। हालांकि मंच से बार बार घोषणा की जा रही थी कि लोग धीरे चलें। लाइन में चलें। लेकिन जब बाबा का काफिला गुजरा तो कुछ लोग उनकी तरफ दौड़ पड़े। इससे भगदड़ मच गई। जब जानकारी हुई कि भगदड़ में लोगों की मौत हो गई है तो उन्हें वहां से निकलने के लिए कहा गया। हम सभी लोग वहां से भाग गए।

वीडियो बना रहे ग्रामीणों के मोबाइल फेंक दिए थे

जब भगदड़ मची तब कुछ ग्रामीण हाईवे किनारे खड़े होकर वीडियो बनाने लगे थे। इसी दौरान यहां पहुंचे सेवादारों ने युवकों के साथ भी धक्का मुक्की कर दी। मोबाइल लेकर फेंक दिए थे। जब पुलिस ने इस बारे में पूछा तो उनका कहना था कि बाबा का सख्त आदेश है कि कोई वीडियो नहीं बनाएगा। वीडियो बनाने के लिए उन्होंने अपनी एक टीम बना रखी है। उसके अलावा किसी को वीडियो नहीं बनाने दिया जाता।

आईजी शलभ माथुर ने बताया कि सेवादारों ने बताया कि भगदड़ मचते ही सभी को भागने के लिए कहा गया था। काफी देर तक पैदल गए और बाद में बस पकड़कर निकल गए। जब उन्हें पता चला कि मरने वालों की संख्या बढ़ गई तो सभी भूमिगत हो गए। पुलिस पूछताछ में कई महिलाओं ने यह भी बयान दिया है कि जिनकी तबीयत भीड़ में खराब हो रही थी और सेवादार उन सभी से कह रहे थे कि बाबा का नाम पुकारो सब ठीक हो जाएगा।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

हेमंत सोरेन ने फिर संभाली कमान

जैसी कि संभावना जताई जा रही थी, जेल से बाहर आने के कुछ ही दिनों बाद JMM नेता हेमंत सोरेन के दोबारा मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया। बुधवार को चंपई सोरेन के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद जिस जल्दबाजी में उन्होंने गुरुवार को शपथ ग्रहण किया, उसे सामान्य नहीं कहा जाएगा।

समर्थकों की दलील : हेमंत सोरेन ही नहीं, JMM का भी कहना है कि उन्हें राजनीतिक कारणों से फंसाया गया है और यह कि लोकसभा चुनावों से ऐन पहले झारखंड के मुख्यमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति को गिरफ्तार करके जेल भेजने की जिद के पीछे मंशा यही थी कि राज्य में JMM और विपक्षी गठबंधन INDIA को ज्यादा सीटें न मिल सकें। अब जब हाईकोर्ट के आदेश से हेमंत सोरेन जेल से बाहर आ गए हैं तो पार्टी, गठबंधन और सरकार उनके योग्य तथा सक्षम नेतृत्व से क्यों वंचित रहें। परिवार से बाहर का विकल्प : दिक्कत यह है कि कुछ ऐसे सवाल और मुद्दे भी इस मामले से जुड़े हैं जिन्हें फिलवक्त JMM और INDIA के नेता अनदेखा कर रहे हैं। एक बड़ा सवाल तो यही है कि क्या एक खास परिवार से बाहर के लोगों का स्थान JMM में 'फिलर' जैसा ही है कि जब जरूरत हो वे किसी का स्थान भरने आ जाएं और फिर जरूरत पूरी होते ही हटा दिए जाएं। जाहिर है, विपक्ष इसे मुद्दा बनाएगा, बल्कि बनाना शुरू कर दिया है। आने वाले विधानसभा चुनावों में इस सवाल की असरदार काट तैयार करना JMM के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। केस की कार्यवाही : हेमंत सोरेन पर लगे आरोपों को लेकर चाहे कुछ भी कहा जाए, यह एक तथ्य है कि देश की एक राष्ट्रीय जांच एजेंसी उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों की जांच कर रही है, जिसका झूठ-सच सामने आना अभी बाकी है। हेमंत सोरेन अभी जमानत पर बाहर आए हैं। खबरें बताती हैं कि ईडी उन्हें मिली जमानत को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की सोच रही है। ऐसे में क्या गारंटी है कि सुप्रीम कोर्ट से फैसला उनके खिलाफ नहीं आएगा और दोबारा उनके जेल जाने की स्थिति पैदा नहीं होगी? जवाबदेही का सवाल : सबसे ऊपर है राजनीतिक जवाबदेही का मुद्दा। हेमंत सोरेन पर ईडी द्वारा लगाए गए आरोपों की सचाई चाहे जो भी हो, इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि यह एक राजनीतिक मामला भी है। जो व्यक्ति राज्य के मतदाताओं द्वारा चुनी गई सरकार का नेतृत्व कर रहा था, उस पर एक राष्ट्रीय एजेंसी ने गंभीर आरोप लगाए। ऐसे में विधानसभा चुनावों से ठीक पहले जमानत पर छूटते ही दोबारा पद पर बैठने के बजाय वह पहले लोगों का फिर से विश्वास हासिल करने पर ध्यान देते, तो न केवल अपना कद ऊंचा करते बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को भी नई ऊंचाई देते।

विपक्ष ख़ुद को नाम के विपक्ष तक सीमित न रखे, आगे की लड़ाई के लिए ज़मीन पर उतरे

अठारहवीं लोकसभा के पहले सत्र ने दो बातें पूरी तरह साफ कर दी हैं। पहली यह कि विपक्ष का वह आत्मविश्वास उसके पास लौट आया है, 2014 के लोकसभा में उसने जिसे गंवाया तो 2019 में भी वापस नहीं पा सका था। फिर तो नरेंद्र मोदी सरकार (तब उसे भाजपा सरकार अपवादस्वरूप ही कहा जाता था) ने अपने आक्रामक बहुसंख्यकवाद की बिना पर स्वतंत्रता, समता, न्याय, बंधुत्व व धर्मनिरपेक्षता जैसे संवैधानिक मूल्यों को बेरोकटोक आक्रांत कर न सिर्फ राजनीतिक विमर्श की दिशा बदल डाली थी, बल्कि विपक्ष के मन में इतने चोर पैठा दिए थे कि वह उसे इन मूल्यों के आधार पर चुनौती देने की संभावना से नजर तक नहीं मिला पाता था। दूसरे शब्दों में कहें तो 'महाबली' भाजपा के समक्ष 'पस्तहिम्मत' वह यह तक नहीं सोच पा रहा था कि उसके आगे उसकी जीत भी छिपी हो सकती है। तो बात कुछ और होती! क्या आश्चर्य कि तब कई विश्लेषक कहने लगे थे कि यह आत्मविश्वासहीनता उसकी, उसके बिखराव से भी बड़ी समस्या बन गई है। पिछले दिनों जिन योगेंद्र यादव ने लोकसभा चुनाव के नतीजों की सबसे सटीक भविष्यवाणी की थी, वे अभी भी कहते हैं कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' इस स्थिति से बाहर निकलकर समुचित समन्वय के साथ और न्यूनतम साझा कार्यक्रम बनाकर चुनाव लड़ता तो पचासेक और सीटें जीतकर सत्ता-परिवर्तन संभव कर देता। तब नरेंद्र मोदी सरकार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार के रूप में भी अपना अस्तित्व नहीं ही बचा पाती। लेकिन जो हुआ, सो हुआ, अब उसे बदला नहीं जा सकता। अलबत्ता, राहत महसूस की जा सकती है- की भी जा रही है- कि मतदाताओं ने जहां नरेंद्र मोदी व भाजपा दोनों की अजेयता के जतन से गढ़े गए मिथक के साथ उनके तद्जनित अहंकार को धूल चटा दी है, वहीं विपक्ष को उनसे दो-दो हाथ करने के हौसले से संपन्न कर दिया है। इसका नतीजा यह हुआ है कि जो विपक्ष कभी संवैधानिक मूल्यों की बिना पर उन्हें ठीक से ललकार तक नहीं पाता था, उसके 'जय संविधान' के नारे ने लोकसभा में नए सांसदों के शपथ-ग्रहण के वक्त ही उनसे उनके 'जनादेश' की चमक छीन ली। अनंतर, लोकसभाध्यक्ष के चुनाव, राष्ट्रपति के अभिभाषण, उसके लिए धन्यवाद के प्रस्ताव पर चर्चा और प्रधानमंत्री के जवाब के वक्त भी उन्हें सांसत में डाले रखा- लोकसभा ही नहीं, राज्यसभा में भी। इसकी परिणति इस रूप में भी दिखी कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लोकसभा में अपने पहले भाषण में सरकार को उठक-बैठक तो कराई ही, यह दावा भी कर डाला कि 'इंडिया' भाजपा को, और तो और, उसके गढ़ गुजरात के आगामी विधानसभा चुनाव में भी हरा देगा। उन्होंने इस दावे में जानबूझकर 'कांग्रेस' के बजाय 'इंडिया' कहा, जिससे पता चलता है कि विपक्ष के नेता के रूप में 'इंडिया' में एकता व सौमनस्य को लेकर वे कितने सतर्क हैं- प्रधानमंत्री द्वारा उसे लेकर कांग्रेस को परजीवी करार देने के बावजूद। रस्सी जल गई मगर...! जो दूसरी बात साफ हुई है, देश के लिहाज से वह किसी बुरी खबर से कम नहीं है क्योंकि 'नई' सरकार ने सत्र में एक पल को भी किसी नई रीति-नीति का संकेत नहीं दिया। अकारण नहीं कि कई विश्लेषकों ने प्रधानमंत्री के संदर्भ में इसे रस्सी जल जाने के बावजूद बल न जाने के रूप में देखा। हद तो तब हो गई जब अभिभाषण पर चर्चा के उनके लोकसभा व राज्यसभा में दिए गए जवाबों को सुनते वक्त विश्लेषकों के लिए यह तय करना मुश्किल हो गया कि प्रधानमंत्री बैसाखियों पर ज्यादा निर्भर हैं या असत्यों, अर्धसत्यों और अनर्थों पर! लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा उठाए गए मुद्दों को हिकारत से 'बाल-बुद्धि का प्रलाप' करार देकर उन्होंने एक बार फिर 'सिद्ध' कर दिया कि अपने तीसरे कार्यकाल में भी प्रधानमंत्री की तरह पेश आना उनसे कतई नहीं हो पाएगा। राहुल ने कभी उनके ऐसे ही रवैये के संदर्भ में मिर्जा गालिब के शब्द उधार लेकर पूछा था- ये जो हर बात पे कहते हो तुम कि तू क्या है, तुम्हीं बताओ ये अंदाज़-ए-गुफ्तगू क्या है! सवाल है कि ऐसे में विपक्ष आगे की राह कैसे तय करेगा? और क्या महज बढ़ा हुआ आत्मविश्वास उसको मंजिल तक पहुंचा देगा? फिलहाल इसका 'हां' में जवाब मुश्किल है क्योंकि स्थितियां आगे और लड़ाई के संकेत दे रही हैं। ऐसी लड़ाई के, जो भले ही बहुत लंबी न हो, कु-चक्रव्यूहों में अभिमन्यु जैसी फंसंत के अंदेशों से भरी पड़ी है। तिस पर इन व्यूहों में विपक्ष के पास इतनी भी सहूलियत नहीं है कि उसका प्रतिद्वंद्वी चौबीस घंटों में ज्यादा नहीं तो कुछ पल को ही चुनाव मोड में न रहे और 'हर हाल में' जीत की ख्वाहिश से मुक्त होकर मुकाबले में लेवल प्लेइंग फील्ड और शुचिता की भी थोड़ी-बहुत चिंता करे। जाहिर है कि विपक्ष का इस भरोसे बैठे रहना भी गलत होगा कि भाजपा की घटी हुई शक्ति के कारण वह इस सरकार को संसद में लगातार घेरे रखकर जल्दी ही इतनी कमजोर कर देगा कि वह अपनी बैसाखियों का बोझ उठाती-उठाती ही ढह जाए। या कोई ऐसा 'ब्लंडर' कर डाले, जिससे ऐसा जनरोष भड़क जाए कि उसके लिए उससे पार पाना संभव न रह जाए। बीता हुआ दशक गवाह है कि विपक्ष, खासकर कांग्रेस, द्वारा 2014 से ही किया जा रहा ऐसे ब्लंडर का इंतजार अभी तक खत्म नहीं हो पाया है। विपक्ष के लिए इसका सबक यही है कि उसकी संभावनाएं ऐसे इंतजार में समय गंवाने से नहीं, माहौल को बदलने में हासिल हुई सफलता को जमीनी हकीकत का बदलाव बनाने में लगने से उज्ज्वल होंगी। चौबीसों घंटे चुनावी मोड में रहने वाले प्रतिद्वंद्वी से पार पाना है तो वह इस सोच से काम नहीं चला सकता कि 'फिर चुनाव आएगा तो देखेंगे'। जो स्थितियां हैं, उनमें क्या पता कि कब मध्यावधि चुनाव का सामने आ खड़ा हो और अपेक्षित तैयारियां न हों तो हाथों के तोते उड़ जाएं! चुनाव क्षेत्रों में जाएं फिर? बेहतर होगा कि विपक्ष अपने सारे सांसदों को निर्दिष्ट करे वे बिना देर किए अपने-अपने चुनाव क्षेत्रों में जाएं और मतदाताओं को धन्यवाद ज्ञापित कर उनकी चिंताओं व समस्याओं से जुड़ें। न सिर्फ उन मतदाताओं की समस्याओं व चिंताओं से, जिन्होंने उन्हें वोट दिए, बल्कि उनकी समस्याओं व चिंताओं से भी जिन्होंने किसी कारण वोट नहीं किया। वे समाजवादी पार्टी की कैराना की सांसद इकरा हसन से सबक ले सकते हैं, जिन्होंने कहा है कि मतदाताओं का समर्थकों व विरोधियों में विभाजन मतदान के दिन तक के लिए ही था और अब वे उन मतदाताओं की भी सांसद हैं, जिन्होंने चुनाव में उन्हें मत नहीं दिए। यकीनन, इससे इन सांसदों और उनकी पार्टी दोनों की स्वीकार्यता बढ़ेगी, संभावनाएं उज्ज्वल होंगी व बनी रहेंगी। इसी तरह जिन चुनाव क्षेत्रों में विपक्ष को विजय नहीं मिली है, वहां के पराजित उम्मीदवारों को भी मतदाताओं के बीच बने रहने और पराजय के कारण तलाशकर उन्हें दूर करने के लिए कहा जाना चाहिए। साफ कहें तो इसकी सबसे ज्यादा जरूरत बिहार में है, जहां विपक्ष के लिए उर्वर व अनुकूल भूमि होने के बावजूद उसे ज्यादा सफलता नहीं मिली। सीटों के बंटवारे में अपनी जिद पर अड़े रहकर 'इंडिया' को टूट के कगार तक पहुंचा देने वाला राष्ट्रीय जनता दल भी कोई करिश्मा नहीं कर पाया। विपक्ष को उन राज्यों पर तो फोकस करना ही चाहिए जहां अगले कुछ महीनों में या अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं, उन राज्यों की भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए जहां अभी चुनाव की आहट नहीं है। संविधान को ख़तरे की सच्चाई उसे यह सिद्ध करने की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए कि उसने चुनाव में नरेंद्र मोदी के 'चार सौ पार' के नारे को लोकतंत्र व संविधान के लिए खतरा बताकर भ्रम या झूठ नहीं फैलाया, जैसा कि अब भाजपा जता रही है और प्रधानमंत्री कह रहे हैं। इसके उलट सच्चाई से आगाह किया था और सच्चाई यह है कि संविधान व लोकतंत्र के समक्ष उपस्थित खतरे सिर्फ इसलिए टले दिख रहे हैं कि भाजपा अपने दम पर बहुमत से दूर रह गई है। कई भाई आजकल भाजपा के रुख में जो 'नरमी' देख रहे हैं, वह वैसी ही है, जैसी अटल बिहारी वाजपेयी के वक्त उसके द्वारा राजग के बैनर पर सत्ता-सेवन के लिए तीन विवादास्पद मुद्दों को ठंडे बस्ते में डाले जाते वक्त दिखी थी। कौन कह सकता है कि जैसे ही मोदी 'महानायक' बने और भाजपा को बहुमत मिला, उसने उन मुद्दों को बाहर निकालने ओर भुनाने में कुछ भी उठा रखा? अभी भी, राम मंदिर के मुद्दे के बहुत काम न आने और अयोध्या तक की लोकसभा सीट हार जाने के बावजूद वह 'वो बात जिसका फसाने में कहीं जिक्र न था, वो बात उनको बहुत नागवार गुजरी है' की राह पर ही चल रही है। अन्यथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उसके जैसे 'खुद को हिंदू कहने वालों' की नफरत फैलाने वाली करतूतों पर जो प्रहार किए, उन्हें सारे हिंदुओं पर प्रहार का रूप क्यों देखती? और उसकी रोशनी में कई विश्लेषक क्यों इसकी जरूरत जताते कि राहुल को सोच-समझकर अपने शब्द चुनने चाहिए और भाजपा को कोई मौका नहीं देना चाहिए.हां, विपक्ष को खुद को कहने का विपक्ष नहीं, नीतिगत यानी वास्तविक विपक्ष बनाना और अपने समर्थक समूहों, खासकर दलितों, पिछड़ों व अल्पसंख्यकों के बीच के अंतर्विरोधों को भी यथासंभव अतिशीघ्र हल करने की चिंता भी करनी चाहिए। क्योंकि भाजपा को पता है कि उनके पुनरुत्थान का रास्ता इन तबकों की एकता खंडित करने के उसके प्रयासों की सफलता पर ही निर्भर करता है और वह इसके लिए कुछ भी उठा नहीं रखने वाली।

लुटेरी दुल्हन मामले में आरोपी मां-बेटी गिरफ्तार

राजस्थान के जालौर जिले के भीनमाल पुलिस ने लुटेरी दुल्हन मामले में दो महिओं को गिरफ्तार किया है। महिलओं ने शादी रचाकर 24 लाख नकदी और पांच लाख के गहने हड़प कर धोखाधड़ी को अंजाम दिया था। दरअसल मामला जालौर जिले के तीन दिन तक रही फिर यहां से भाग गई। उसके घर जाकर फिर वापस ससुराल ले जाने पर वापस नहीं आ आई। उसने शादी के नाम पर धोखाधड़ी कर रुपये और जेवरात हड़प लिए, जिसकी रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया।

भीनमाल थाना क्षेत्र का है, जहां एक व्यक्ति के साथ शादी का ढोंग रचकर 24 लाख नकदी और पांच लाख के गहने हड़पकर धोखाधड़ी की गई, जिसमें पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लुटेरी दुल्हन के साथ आरोपी उसकी मां को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार दिनांक 04 जून 2024 को दिनेश कुमार पुत्र नवाराम जाति माली निवासी भीनमाल ने रिपोर्ट पेश कर बताया कि उसकी शादी चंदा कुमारी पुत्री रमेश कुमार जाति माली निवासी पोसालिया पुलिस थाना पालडी एम जिला सिरोही के साथ हिन्द रिति-रिवाजोनुसार हुई थी। इस दौरान शादी के नाम पर 24 लाख रुपये और 05 लाख रुपये के गहने दिए। दुल्हन चंदा भीनमाल में दो घटना में शरीक आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए एसपी ज्ञानचंद यादव के निर्देश पर थानाधिकारी बाबूलाल जांगिड़ नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपी चंदा कुमारी और पुष्पादेवी को दस्तयाब कर पूछताछ की। दोनों आरोपियों ने घटना का खुलासा किया। आरोपी लुटेरी दुल्हन चंदा कुमारी पत्नी दिनेश कुमार और पुष्पा पत्नी रमेश कुमार माली निवासी रतन सागर पोसालिया पुलिस थाना पालडी एम जिला सिरोही को गिरफ्तार किया गया है। मुलजिमा से प्रकरण में अग्रीम अनुसंधान और गहनता से गहनों और रुपये के बारे में पूछताछ जारी है।

सांसद लुंबाराम चौधरी ने रेल मंत्री वैष्णव से की मुलाकात

सिरोही को रेल सेवा से जोड़ने समेत यह मांग की

सांसद लुंबाराम चौधरी ने सिरोही को रेल सेवा से जोड़ने समेत रेलवे से जुड़ी अन्य मांगों को लेकर केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की। सांसद चौधरी ने ज्ञापन सौंपकर मंत्री वैष्णव को लोगों की परेशानी से अवगत कराया। सिरोही-जालौर सांसद लुंबाराम चौधरी ने रेलवे केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर लोकसभा क्षेत्र में ट्रेनों के ठहराव और सिरोही को ट्रेन सेवा से जोड़ने की मांग की।

इस संबंध में रेल मंत्री को सौंपे ज्ञापन में सांसद चौधरी ने बताया कि सिरोही जिला केंद्र आजादी के 75 वर्षों के बाद भी रेलवे नेटवर्क से नहीं जुड पाया हैं। सिरोहीवासियों को आज तक रेलवे नेटवर्क से जुड़ने का इंतजार है। इसलिए, सिरोही जिला केन्द्र को रेलवे नेटवर्क से जोड़ा जाए। सिरोही जिला केन्द्र को रेलवे नेटवर्क से जोड़ने के लिए एक बार सर्वे भी हो चुका है, जिसके तहत सिरोही को जालोर से रेललाइन से जोड़े जाने का प्रस्ताव था। सिरोही जिला केन्द्र को मारवाड़ बागरा और पिण्डवारा के मार्ग से रेलवे नेटवर्क से जोड़ा जाएं।

भाजपा संभाग सह मीडिया प्रभारी चिराग रावल ने बताया कि चौधरी ने मांग की है कि मारवाड जं से पालनपुर के मध्य नई दैनिक पैसंजर/डीएमयू ट्रेन प्रारंभ किया जाए, सिरोही जिला में स्थित पिण्डवाडा तहसील के अधिकतम पंचायत में 100 प्रतिशत भील गरासिया और मीना जनजाति निवास करती है, यहा के जनजाति दुर्गम क्षेत्र में निवासरत होने के कारण शिक्षा यातायात संचार के आधारभूत संरचाओं का अभाव है। पिंडवाडा को TSP क्षेत्र घोषित किया गया है। इस क्षेत्र में मजदूर सिलिकोसिया बीमारी से पीड़ित हैं। यहां प्रत्येक दिन हजारो की संख्या में मजदूर अपना इलाज कराने पालनपुर निजी गाड़ियों से जाते हैं। मरीजों के लिए सड़क मार्ग महंगा और असुविधाजनक होता है। पिंडवाडा रेलवे स्टेशन पर आश्रम एक्सप्रेस (12915/12916), गरीबरथ एक्सप्रेस (12215/12216), का ठहराव दिया जाए।

पिण्डवाडा मार्बल पत्थर मंदिर निर्माण शिल्प कला की वजह से 'शिल्प कला हब' के नाम से विश्व विख्यात है। इस क्षेत्र में दो बड़े सिमेंट प्लांट है। माल बुलाई से हर वर्ष करोड़ों रुपये की आय अजमेर रेल मंडल को हो रही है। इन प्लांटों में हजारो श्रमिक कर्मचारीगण कार्यरत हैं जो भारत के विभिन्न राज्यों से है, लेकिन दूर दराज से आने वाले इन यात्रियों को महत्वपूर्ण ट्रेनों की स्टोपेज नहीं होने के कारण परेशनियों का सामना करना पड़ता है। स्वरूपगंज रेलवे स्टेशन पर हरिद्वार मेल (19105/19106) का ठहराव दिया जाए,जोधपुर एक्सप्रेस ट्रेन न० 22663/22664 को दैनिक किया जाए।

सांसद चौधरी ने बताया कि मेरे संसदीय क्षेत्र जालौर सिरोही सांचौर के लगभग सात लाख लोग दक्षिण भारत के विभिन्न शहरों में रहते हैं और अपने व्यवसाय के सिलसिले में इन लोगों का बेंगलुरू, चेन्नई, दावनगिरि, कोयम्बटुर, हुबली, ईरोड, हैदराबाद आना जाना रहता है। लेकिन, इन प्रवासियों के लिए सीधी रेल सेवा नहीं होने से अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, इसलिए वर्तमान में जालोर को सिधी रेल सेवा से जोड़ा जाए। बेंगलोरु से जोधपुर वाया समदडी भीलडी ख) हैदराबाद से जोधपुर वाया समदडी भीलडी ग) कोयम्बटुर से जोधपुर वाया समदडी भीलडी,चेन्नइ से जोधपुर वाया समदडी भीलडी, नवजीवन एक्सप्रेस 12655/12656 का विस्तार जोधपर (वाया समदडी भीलडी) तक किया जाए। नवजीवन एक्सप्रेस का विस्तार जोधपुर तक किया जाए। गाधीधाम से दिल्ली वाया जालोर (समदडी भीलडी) नई ट्रेन प्रारंभ किया जाए, दिल्ली सरायरोहिला से जोधपुर सुपर फास्ट एक्सप्रेस (22481/22482) को मीलडी जं० तक विस्तार किया जाए, बाड़मेर यश्वंतपुर एसी एक्सप्रेस 14805/14806 को सप्ताह में सातों दिन चलाया जाए। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सभी मुद्दों को गभीरता से लेते हुए सांसद चौधरी को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए आश्वस्त किया।

जयपुर एसीबी टीम की बड़ी कार्रवाई

ASI को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

अजमेर में एसीबी की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एएसआई को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। फिलहाल मामले में कार्रवाई जारी है।

एसीबी जयपुर की टीम ने गुरुवार को अजमेर की नाका मदार पुलिस चौकी के प्रभारी एएसआई नन्दभंवर सिंह को 50 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ ट्रैप किया है। एसीबी मुख्यालय जयपुर के डीएसपी सुरेंद्र पंचोली ने बताया कि आरोपी एएसआई नंद भंवर सिंह धोखाधड़ी के दर्ज एक मामले में परिवादी से मुकदमे की धाराएं बढ़ाने के लिए एक लाख रुपये की मांग कर रहा था।

परिवादी ने पूर्व में 50 हजार रुपये की राशि का भुगतान कर दिया गया था। जिस पर परिवादी ने मुख्यालय में शिकायत दी थी। उसका सत्यापन कराया गया। शिकायत सही पाए जाने पर आज 50 हजार रुपये रंगे हाथ लेते हुए एएसआई नंद भंवर सिंह को ट्रैप किया। आरोपी एएसआई के घर सहित अन्य ठिकानों पर तलाशी जारी है।

मंत्री पद से किरोड़ीलाल मीणा ने दिया इस्तीफा

राजस्थान की राजनीति से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। राजस्थान की भजनलाल सरकार के कैबिनेट मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। लोकसभा चुनाव में दौसा सीट पर हुई हार के बाद किरोड़ीलाल मीणा ने इस्तीफा देने के कयास शुरू हो गए थे। किरोड़ीलाल मीणा ने खुद इसका खुलासा किया है। किरोड़ी लाल ने कहा कि सभी सरकारी सुविधाओं से दूरी बना ली है। मैंने पहले ही जनता के बीच एलान कर दिया था।सीएम भजनलाल के सामने कही थी राजनीति छोड़ने की बात गौरतलब है कि टोंक में सीएम भजनलाल शर्मा की मौजदगी में डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा था कि अगर कोई 5 वर्ष में सुखबीर जौनापुरिया को पराजित करने वाले हरीश मीणा के मोबाइल नंबर और ठिकाना भी कोई बता दे तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा। किरोड़ी लाल मीणा ने जौनापुरिया के लिए कहा कि वे सांसद रहे और 10 साल तक आपकी खूब सेवा की, लेकिन आपने पता नहीं किन लोगों के बहकावे में आकर उन्हें हरवा दिया। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि बहुत जल्द ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व मे पीएचईडी मंत्री हर घर तक पीने का पानी पहुंचाने वाले हैं।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

-संपादक

Scan Here

पवित्र हज यात्रियों का पहला जत्था पहुंचा जयपुर एयरपोर्ट, लोगों ने किया स्वागत

जयपुर। 433 हाजियों का पहला जत्था गुरुवार को जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 1 पर पहुंचे। यात्रियों के स्वागत के लिए टर्मिनल 1 पर हज कमिटी के सदस्य और राजस्थान सरकार के अधिकारी मौजूद रहे। हाजियों को लाने वाली उड़ानें 4 जुलाई से 11 जुलाई तक जेद्दा से जयपुर तक संचालित होंगी और 3900 यात्रियों को ले जाएंगी। पवित्र हज यात्रा से लौटने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए जयपुर एयरपोर्ट की ओर से विशेष इंतजाम किए गए हैं। हाजियों पर दो समर्पित बैगेज बेल्ट के साथ आठ स्वागत काउंटर स्थापित किए गए हैं। आने वाले यात्रियों को पवित्र ज़मज़म का पानी वितरित करने के लिए एक अलग डेस्क स्थापित की गई है। सामान उठाने के बाद यात्री एयरलाइन द्वारा संचालित विशेष डेस्क से जमजम पानी की बोतलें ले सकते हैं। यात्रियों के लिए टर्मिनल 1 के अंदर एक प्रार्थना स्थल भी बनाया गया है।

'हमने हज संचालन को सफलतापूर्वक संभाला'

जयपुर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि "पिछले साल हमने हज संचालन को सफलतापूर्वक संभाला था और सभी तीर्थयात्री व्यवस्थाओं से बहुत खुश थे। इस साल भी हम सभी आवश्यक व्यवस्थाओं और सेवाओं को बेहतरीन ढंग से करने की कोशिश कर रहे हैं।

इसके अलावा, किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए टर्मिनल एक पर एम्बुलेंस के साथ एक व्यापक चिकित्सा इकाई स्थापित की गई है। सुरक्षा संबंधी इंतजामों का भी ख्याल रखा गया है। हज परिचालन पहले 21 मई से शुरू हुआ और 27 मई तक जारी रहा, जिसमें 4000 यात्री जयपुर से मदीना पहुंचे थे।

फिर बढ़ गए दूध-दही के दाम, अब 1 लीटर के लिए चुकाने होंगे इतने रुपये

जयपुर। दूध के शौकीन लोगों के लिए चिन्ता जनक खबर है। दूध के दामों में बढ़ोतरी हो गई है। अब खुले में मिलने वाला दूध उपभोक्ताओं को 38 की बजाय 40 रुपए प्रति लीटर मिलेगा। आमतौर तौर पर दूध के भाव 34 से 38 के बीच रहते हैं, लेकिन इस बार एक लीटर दूध की कीमत 40 रुपए तक जा पहुंची हैं। वहीं दूध के दामों में बढ़ोतरी का असर दही पर भी पड़ा है और दही के दाम भी उछल कर 50 की बजाय 52 रुपए हो गए हैं।

पैकेट वाले दूध के दाम स्थिर

खुले दूध के दुकानदार राजेन्द्र कुमार बताते हैं कि गर्मी की वजह से गायों द्वारा दूध देने की मात्रा कम हुई है। उनका कहना है कि वैसे भी जुलाई-अगस्त के महीनों में दूध की कीमतों में बढ़ोतरी होती है। हालांकि इस साल अच्छी बात ये है कि सावे ज्यादा नहीं होने के कारण दूध के दामों में बहुत ज्यादा इजाफा नहीं हुआ, वरना 4-6 रुपयों तक की बढ़ोतरी हर साल होती है। उन्होंने बताया कि बीकानेर में रोजाना करीब डेढ़ लाख लीटर दूध खुले में बिकता है। वहीं तकरीबन एक लाख लीटर दूध बाहर भेजा जाता है। अगर पैकिंग वाले दूध की बात करें तो बीकानेर में उसकी कीमत 50 से 54 रुपए चल रही है। हालांकि खुले दूध की कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद पैकिंग वाले दूध के रेट स्थिर हैं। उनमें कोई तब्दीली नहीं हुई है। उधर दूध बेचने वाले दुकानदारों का कहना है कि पैकिंग वाले दूध की कीमत खुले दूध की तुलना में पहले से कई गुना ज्यादा बढ़ी है।

महंगी हो सकती है चाय

गौरतलब है कि दूध एक आम जरूरत की चीज है और इसका अक्सर इस्तेमाल चाय के लिए होता है। एक औसत भारतीय घर में दिन में कई बार चाय बनाने के लिए इसकी जरूरत रहती है। एक आम इन्डियन चाय का शौकीन होता है। लेकिन जैसे-जैसे दूध के दाम बढ़ते हैं, वैसे-वैसे चाय में दूध की मात्रा भी कम होती जाती है। दूध की कीमतों में हुए इजाफे का असर चाय की दुकानों पर भी देखने को मिल रहा है। दूध के प्राइस बढ़ने पर चाय भी महंगी हो जाती है। वहीं घरों में चाय की मात्रा कम हो जाती है। लेकिन आम जरूरत की चीज को छोड़ा भी नहीं जा सकता। इसलिए दाम चाहे जो हो जाएं दूध तो खरीदना ही पड़ेगा।

राजस्थान उर्दू शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अमीन कायमखानी राजकीय सेवा से सेवा निवृत

जयपुर । जयपुर महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय शहीद इंद्रा ज्योति नगर भट्टा बस्ती में कार्यरत उर्दू शिक्षक अमीन कायमखानी 30 जून को सेवानिवृत्ति होने पर स्कूल के शिक्षकों के साथ विद्यार्थियों के अभिभावकों ने विदाई समारोह का आयोजन किया विदाई कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं ने भी हिस्सा लिया इस अवसर पर कायमखानी द्वारा विद्यालय की विद्यार्थियों व शिक्षकों के लिए वॉटर डिस्पेंसर विद्यालय को भेंट किया। कायमखानी ने मदरसा तथा उर्दू शिक्षा के हित में सदैव अपना योगदान देने की घोषणा की संस्था के संस्था प्रधान राम अवतार मीणा,शिक्षक सीताराम जाट,दीनदयाल मीना,शोभा,सीमा शर्मा,सीमा कुमारी सैन तथा अरशद हुसैन के अलावा मदरसा शिक्षा सहयोगी संघ के सैय्यद मसूद अख्तर,जामिया तय्यबा मदरसा के संचालक कारी इशहाक आदि उपस्थित रहे।

किरोड़ी लाल मीणा के इस्तीफे के बाद CM ने के के विश्नोई को सौंपा कृषि विभाग

जयपुर। राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र (Rajasthan Budget Session 2024) शुरू होने के अगले ही दिन भजनलाल सरकार में कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने अपने इस्तीफे (Kirodi Lal Meena Resign) का ऐलान कर दिया है। इसीलिए अब सदन में कृषि विभाग की जिम्मेदारी केके विश्नोई (Krishan Kumar Vishnoi) के पास होगी। सरकार ने उन्हें कृषि विभाग का प्रभार सौंप दिया है। यानी विधानसभा में कृषि विभाग से संबंधी सवालों के जवाब अब केके विश्नोई देते हुए नजर आएंगे। किरोड़ी लाल मीणा के इस्तीफे देने के कयास 4 जून को लोकसभा चुनाव का रिजल्ट जारी होने के बाद से ही लगाए जा रहे थे, क्योंकि जिन 7 सीटों पर जीत की जिम्मेदारी पीएम मोदी ने उन्हें सौंपी थी, उसमें से 4 सीट बीजेपी हार गई थी। उस वक्त उन्होंने अपने एक्स अकाउंट के जरिए श्रीरामचरितमानस की दो लाइनें लिखकर अपने इस्तीफे का इशारा भी दिया था। मगर हाईकमान और सीएम के आग्रह ने उन्हें कई दिनों तक रोके रखा। लेकिन अंत में 20 जून को उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया, और आज रिजल्ट जारी होने के ठीक 1 महीने बाद खुद अपने इस्तीफे का ऐलान कर दिया। किरोड़ी लाल मीणा 6 बार विधायक का चुनाव जीता है। पूर्वी राजस्थान में उनके प्रभाव को इस बात से समझा जा सकता है कि वो महवा, टोड़ाभीम, सवाई माधोपुर और बामनवास समेत चार अलग-अलग विधानसभाओं से जीत कर आए हैं। इसके अलावा दो अलग-अलग सीटों दौसा और सवाई माधोपुर से लोकसभा चुनाव जीते और बाद में भाजपा ने उन्हें 2018 के विधानसभा चुनाव से पहले राज्य सभा भेज दिया। उनकी छवि एक किसान नेता की है। किरोड़ी लाल को सब "बाबा" के नाम से भी जानते हैं। राजस्थान का एक ही लाल किरोड़ी लाल किरोड़ी लाल

जयपुर में भारी बारिश के बाद बाढ़ जैसे हालात, पानी में तैरती नजर आईं कारें

जयपुर । राजस्थान में बारिश का दौर जारी है। कई जिलों में मंगलवार को भारी बारिश हुई। बीते 24 घंटे में पूर्वी राजस्थान में सर्वाधिक बारिश डूंगरपुर के धम्बोला में 132 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा अलवर में 32 और पश्चिमी राजस्थान के श्रीगंगानगर में 17 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। जयपुर में शाम को अचानक तेज बारिश का दौर शुरू हुआ। रात तक रुक-रुक कर बारिश हुई। सड़कों पर पानी भर गया।

डूब गया सीकर रोड...तैरने लगी कारें

जयपुर में बुधवार शाम ऐसी बारिश हुई कि सीकर रोड पर तो बाढ़ जैसा नजारा दिखने लगा। बहते पानी के दरिया में रोड का पता नहीं चल रहा था तो कारें जैसे तैर रही थीं। करीब दस मिनट की बारिश से ही रोड जलमग्न हो गया। सीकर रोड पर ड्रेनेज सिस्टम नही होने से जलभराव की समस्या रहती है। इस दौरान सांगानेर एयरपोर्ट पर 10 मिमी बारिश दर्ज की गई।

मानसून में 44 डिग्री तापमान

प्रदेश में मानसून आने के बाद भी दिन का तापमान 44 डिग्री तक दर्ज किया जा रहा है। सबसे अधिक तापमान मंगलवार को गंगानगर में 44 डिग्री दर्ज किया गया। इसके अलावा जैसलमेर में 41, बीकानेर में 42 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

राजस्थान में सड़क सुरक्षा के लिए डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा ने बनाया 10 का एक्शन प्लान

राजस्थान के डिप्टी सीएम और परिवहन एवं सड़क सुरक्षा मंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा (Prem Chand Bairwa) ने राजस्थान की सड़क सुरक्षा के लिए 10 साल का प्लान तैयार किया है। उन्होंने बताया कि राजस्थान देश का पहला राज्य है जहां योजनाबद्ध तरीके से सड़क सुरक्षा के लिए आगामी 10 सालों के लिए एक्शन प्लान तैयार किया जा रहा है। इसके तहत आम लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रावधानों के प्रति जागरूक कर एवं सड़क सुरक्षा नियमों की पालना में व्यवहारिक परिवर्तन लाने की दिशा में काम किया जाएगा। प्रेमचंद बैरवा ने सड़क सुरक्षा प्लान को लेकर कहा कि इसका लक्ष्य प्रदेश में 2030 तक सड़क हादसों में लगभग 50 प्रतिशत की कमी लाना रखा गया है।

सड़क सुरक्षा के लिए PWD से लेकर स्वास्थ्य विभाग को दिये निर्देश

डिप्टी सीएम डॉ प्रेमचंद बैरवा बुधवार (3 जुलाई) को परिवहन मुख्यालय पर राज्य सड़क सुरक्षा नीति एवं कार्य योजना को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उपमुख्यमंत्री द्वारा अपर परिवहन आयुक्त निधि सिंह द्वारा आगामी दस वर्षों के लिए तैयार राज्य सड़क सुरक्षा रणनीति एवं कार्य योजना पर प्रेजेंटेशन का अवलोकन किया गया। उन्होंने पीडब्ल्यूडी, परिवहन, पुलिस, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, वन विभाग सहित सभी हितधारक विभागों को एक साथ सामंजस्य रख सड़क सुरक्षा के लिए काम करने के निर्देश दिये।

वर्ल्ड बैंक की सहायता से तैयार हो रहा प्लान

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ल्ड बैंक की सहायता से विभिन्न देशों में सड़क सुरक्षा को लेकर अपनायी जा रही सर्वश्रेष्ठ गतिविधियों को समायोजित कर सड़क हादसों में कमी लाने के लिए राज्य सड़क सुरक्षा नीति एवं कार्य योजना को तैयार किया जा रहा है। इस कार्य योजना का क्रियांन्वयन तीन चरणों में किया जाएगा जिसमें प्रथम चरण 2025 से 2027, द्वितीय चरण 2027 से 2030, तृतीय चरण 2030 से 2033 के मध्य संचालित किया जाएगा। जिसके बाद इस कार्ययोजना की समीक्षा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि परिवहन विभाग की सड़क सुरक्षा प्रकोष्ठ द्वारा तैयार की जा रही यह कार्य योजना सरकार के 100 दिवसीय कार्य योजना का हिस्सा है। जिसके क्रियान्वयन को लेकर सभी तैयारिया पूरी कर ली गई है।

राजस्थान विधानसभा में कांग्रेस के खिलाफ विपक्ष का हंगामा, BJP बोली- 'जूली को अपना नेता नहीं मानते

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में बजट सत्र के दूसरे दिन भी हंगामा जारी रहा। प्रश्नकाल से सदन की कार्यवाही शुरू होने के साथ ही जैसे ही शिक्षा विभाग से जुड़े एक सवाल के जवाब देने के लिए मदन दिलावर खड़े हुए विपक्ष ने आदिवासी DNA का मुद्दा उठाते हुए शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर डाली। विपक्ष ने आदिवासी डीएनए के मुद्दे पर चर्चा की मांग की, लेकिन स्पीकर ने इसके लिए अनुमति नहीं दी।

'आधा घंटे तक स्थगित रही कार्यवाही'

प्रश्नकाल के दौरान इस मुद्दे पर लगातार विपक्ष हंगामा करता रहा, जबकि जवाब में सत्ता पक्ष ने भी जवाब देने की कोशिश की। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने समझाइश से मामला शांत करवाने का प्रयास किया, लेकिन विपक्ष ने हंगामा जारी रखा। इसके बाद शून्य काल में पहले प्रदेश की कानून व्यवस्था और फिर कोटा में कांग्रेस नेताओं के खिलाफ विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। काफी देर तक हंगामा चलने के बाद सदन की कार्रवाई आधे घंटे तक स्थगित की गई। कांग्रेसी विधायक हरिमोहन शर्मा ने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा पर मुकदमे का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार दमदारकारी नीति अपना रही है। कांग्रेस इसे बर्दाश्त नहीं करेगी।

'जूली को अपना नेता नहीं मान रहा विपक्ष'

नेता प्रतिपक्ष जब खाद्य विभाग से जुड़े मुद्दे पर बोल रहे थे। इसी दौरान भी विपक्ष के नेताओं ने हंगामा जारी रखा तो सत्ता पक्ष के विधायकों को तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस टीकाराम जूली को अपना नेता नहीं मान रही है। इसके अलावा सदन में गोशालों के अनुदान के सवाल पर मंत्री के जवाब से असंतुष्ट होने पर भी विपक्ष ने हंगामा किया। इस मुद्दे पर भी पक्ष-विपक्ष के सदस्य आमने-सामने हो गए। टीकाराम जूली ने स्पीकर पर मंत्रियों को बचाने का आरोप लगाते हुए कहा कि स्पीकर महोदय मंत्रियों को बचाइए। हमें सवाल का जवाब चाहिए मंत्रियों को जवाब नहीं पता है।

लव मैरिज के लिए पेरेंट्स की सहमति वाला कानून

इसके अलावा सदन में रतनगढ़ से विधायक पुषाराम ने प्रेम विवाह के मामले में विवाह से पहले माता पिता की सहमति अनिवार्य करने लिए कठोर कानून बनाने की मांग की। सदन की कार्यवाही से पहले डॉ किरोड़ीलाल मीणा के इस्तीफे के बाद उनके विभाग से जुड़े कामों की जिम्मेदारी दो अन्य मंत्रियों को दी गई। कृषि विभाग का प्रभार मंत्री केके विश्नोई को सौंपा गया है, जबकि आपदा राहत विभाग का प्रभार देवारात ओटासी को सौंपा गया है। ये दोनों मंत्री किरोड़ी लाल मीणा की अनुपस्थिति में सदन के अंदर उनके विभागों से जुड़े सवालों के जवाब देंगे।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान करने के लिए रॉयल पत्रिका के एकाउंट में नगद या चैक या ऑनलाईन जमा करवा सकते हैं।

Scan Here

एकाउंट नं. 1939002100241695
IFSC code :PUNB0193900
या Q.R. code स्कैन करें।

जयपुर में बारिश के बाद लंबा जाम देख परेशान हुए अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत (Ashok Gehlot) ने राजधानी जयपुर (Jaipur) में बुधवार शाम बारिश (Rain) के बाद कई इलाकों में जलभराव व जाम का मुद्दा उठाते हुए गुरुवार को कहा कि बारिश के मौसम को लेकर राज्य सरकार की कोई पूर्व तैयारी नहीं है। गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मांग की है कि वह सरकार की तैयारियों की समीक्षा करें एवं आगे ऐसी स्थिति ना बने इसके लिए दीर्घकालिक योजना बनाएं.

'सीएम और डिप्टी सीएम जयपुर से विधायक'

उल्लेखनीय है कि बुधवार शाम राजधानी जयपुर में मूसलाधार बारिश हुई, जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। राजधानी के कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया और यातायात जाम की स्थिति रही तथा सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। इस संबंध में 'एक्स' पर एक खबर साझा करते हुए गहलोत ने लिखा, 'पिछले कुछ महीने में सबसे ज्यादा बुरी स्थिति तो जयपुर में यातायात जाम की हुई है। मानसून से पहले ही जयपुर में यातायात की स्थिति बिगड़ने लगी थी जो अब मानसून में पूरी तरह चरमरा गई है, जबकि मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री दोनों जयपुर शहर के ही विधायक हैं।

सीएम करें सरकारी तैयारियों की समीक्षा

उन्होंने कहा, 'ऐसी स्थिति है कि जयपुर में एक किलोमीटर की दूरी तय करने में ही घंटों का समय लग रहा है। कल की बारिश ने यह तो स्पष्ट कर दिया कि बारिश के मौसम को लेकर सरकार की कोई पूर्व तैयारी नहीं है.' गहलोत के अनुसार, 'अब समय आ गया है कि राजधानी जयपुर में स्थायी रूप से इस समस्या के समाधान के लिए सरकार को संकल्प लेना चाहिए। पिछले 25 वर्षों में आधुनिक जयपुर के अधिकांश काम हो चुके हैं और आगे भी होते रहेंगे परन्तु पूर्ववर्ती वर्षों के मुकाबले कल की बारिश ने तो स्थिति को बहुत ही ज्यादा बिगाड़ दिया है.' उन्होंने लिखा, 'मैं मुख्यमंत्री भजनलाल से कहना चाहूंगा कि सरकारी तैयारियों की समीक्षा करें एवं आगे ऐसी स्थिति ना बने इसके लिए दीर्घकालिक योजना बनाएं।

मीडियाकर्मी हेमनानी को धमकाने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग

पाली। पाली प्रेस क्लब के अध्यक्ष शेखर राठोर के नेतृत्व में मीडिया कर्मी डीआईजी ओम प्रकाश से मिले। इस दौरान उन्होंने ज्ञापन सौंप कर मीडियाकर्मी सुरेश हेमनानी को फोन पर अभद्र व्यवहार करने और न्यूज़ कवरेज को लेकर धमकाने वाले आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। इस पर डीआईजी ने कोतवाल किशोर सिंह को तुरंत कॉल कर मामले में आरोपी को गिरफ्तार करने की करने के सख्त निर्देश दिए और आश्वासन दिया कि कानून का उल्लंघन करने वाले किसी भी अपराधी को बक्सा नहीं जाएगा। ज्ञापन सौंपते समय मीडिया कर्मी शेखर राठोर, सुभाष त्रिवेदी, भारत भूषण जोशी, विवेक वर्मा ओम प्रकाश वैष्णव, श्याम चौधरी राजीव दवे, मोहम्मद यासीन, पन्नालाल, संदीप राठौर सिकंदर खान मुकेश राजा साजिद सिलावट रविंद्र सोनी मुकेश सोनी, अनवर खान, जस्ट थे वे कुलदीप पवार, गौरव सहित कई मीडिया कर्मी मौजूद रहे।

मोहर्रम रूढ समस्याओं को लेकर मुस्लिम समाज ने दिया ज्ञापन

पाली। पाली मुस्लिम समाज पाली ने आज जिला कलेक्टर , पुलिस अधीक्षक उपखंड अधिकारी पाली चेयरमैन आयुक्त नगरपरिषद पाली , से मुलाकात कर आगामी दिनों में मनाए जाने वाले मातमी पर्व मोहर्रम के रूढ़ की समस्याओं के निवारण को लेकर पाली जिला मुस्लिम समाज सदर मोहम्मद हकीम भाई के नेतृत्व में ज्ञापन दिया गया पाली जिला मुस्लिम समाज प्रवक्ता शकील अहमद नागौरी ने जानकारी देते हुए बताया की मुस्लिम समाज द्वारा आगामी 7 जुलाई को इस्लामी नववर्ष की शुरुआत के इस्तकबाल के बाद पहले इस्लामी माह में मातमी पर्व मोहर्रम के आगाज से इस्लामी कैलेंडर का पहला मातमी पर्व मोहर्रम से शुरुआत होगी जिसके अंतर्गत 14 जुलाई को कर्बला के शहीद मीर कासिम की याद में मेहंदी मनाई जाएगी व हजरत अली की याद में पाली शहर में अखाड़े निकाल कर सद्दा की रश्म अदा की जाएगी । 16 जुलाई मंगलवार को हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में शहादत की रात (कत्ल की रात) मनाई जाएगी व 17 जुलाई बुधवार को मोहर्रम ताजियों का जुलूस निकाला जाएगा व 18 जुलाई को ताजियों को ठंडा किया जाएगा । ज्ञापन में पाली जिला मुस्लिम समाज सदर मोहम्मद हकीम भाई ने मांग की पाली शहर में निकलने वाले सभी मेहंदी व मोहर्रम के जुलूस के मार्ग में टूटी फूटी सड़कों नालियों को सही करवाने के साथ एल एन टी द्वारा जगह जगह सीवरेज लाइन को मरम्मत के नाम पर तोड़फोड़ कर खराब हालत में ही छोड़ दिया गया है उनको सही कराने व मोहर्रम के रूढ़ में जगह जगह निर्धारित टीवी केबल जियो केबल वायर टेलीफोन सहित सभी केबल वायर को मोहर्रम के निर्धारित ऊँचाई से ऊपर उठवाने व मेहंदी व मोहर्रम अखाड़ो के साथ पुलिस जाब्ता व यातायात व्यवस्था को सुचारू करने के लिए ट्रैफिक पुलिस जाब्ता लगाने को लेकर चर्चा की गई व समस्याओं के निवारण करने की मांग की इस अवसर पर मुस्लिम समाज सदर हकीम भाई , के साथ पीठ के मोहर्रम के लाइसेंसदार हाजी मोहम्मद उमर लोहार , जूनी पाली के लाइसेंसदार हाजी मोहम्मद यूसुफ साहब , मोहर्रम चूडिगरान के मोहम्मद शाहिद पिनु मोहर्रम खरादियाँन मोहम्मद इकबाल खरादी , पलटन मोहर्रम मोहम्मद इल्यास कुरैशी पीठ के मोहर्रम के सदर असलम सिंधी , पाली शहर मोहर्रम इंतजामिया कमेटी सचिव रफीक अब्बासी , हाजी मेहबूब टी , वकील साबिर ,सलीम मिस्कीन साहब का सहयोग रहा ।

संघर्ष के बूते समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाई : मेहर

सोजत। मेहंदी नगरी सोजत की अपने अपने क्षेत्र की दो अलग-अलग विभूतियां समाजसेवी पार्षद एडवोकेट पीर सैय्यद साजिद अली जिलानी व ख्यातनाम शायर कवि वरिष्ठ पत्रकार अब्दुल समद राही के जन्म दिवस पर नूरानी कालानी में समारोह आयोजित कर भव्य बहुमान किया गया। अंजूमन बैतूल माल के सरपरस्त समाजसेवी बाबू खां मेहर के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में जिलानी और राही का साफा व माला पहनाकर बहुमान किया गया। इस अवसर पर बाबू खां मेहर ने कहा कि जिलानी व राही हमारे समाज की काबिल शख्सियत है इन्होंने जनसेवा करने तथा खुशहाल व स्वस्थ समाज बनाने के लिए न केवल अपना कदम आगे बढ़ाया है, बल्कि इसके लिए वह लम्बे समय से संघर्षरत भी हैं। अपने क्षेत्र में संघर्ष के बूते उन्होंने समाज में अपनी एक अलग पहचान भी बनाई है। कार्यक्रम का सरस संचालन वरिष्ठ कवि कथाकार रशीद गौरी ने किया। इस अवसर पर नूरानी मदरसा कमेटी अध्यक्ष इंसाफ खां घोसी हाजी मोहम्मद हनीफ सिपाही फकीर मोहम्मद पठान मोहम्मद इकबाल सिलावट नरपतसिंह दहिया यारू खां कुरैशी पार्षद नरेश बबलू असलम खरादी सरफराज खोखर यूसुफ रज़ा खान सुरेश मारू शहबाज खान रमीज खान यासीन अंसारी इमरान लियाकत अली असलम खां मेहर यासीन रज़ा मेहर आदि कई समाज बंधु और गणमान्य जन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री पौधरोपण अभियान के तहत जनजागरण कार्य योजना में हुए कई कार्यक्रम

पाली । मुख्यमंत्री पौधरोपण अभियान 2024 जन जागरण कार्य योजना को लेकर जिला कलक्टर एल एन मंत्री के निर्देशानुसार बुधवार को पाली जिले के विभिन्न स्थानों पर महिला अधिकारिता विभाग, राजीविका, मनरेगा, आईसीडीएस एवं शिक्षा विभाग की और से मनरेगा कार्य स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम के तहत संकल्प एवं शपथ दिलवाई गई। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नन्दकिशोर राजौरा ने बताया कि जन जागरण कार्य योजना के तहत शुक्रवार को विभिन्न मनरेगा स्थलों पर मेट व श्रमिकों ने पौधरोपण करने के साथ ही उनके संरक्षण का जिम्मा लिया। राजीविका के माध्यम से भी महिलाओं ने गांवों में जन जागरूकता रैली निकाल आमजन को अधिक से अधिक पौधारोपण कर उनके सार संभाल के बारे में जानकारी दी। राजौरा ने बताया कि अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण किस प्रकार किया जाए, इसी सोच के साथ ही यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसमें प्रतिदिन विभिन्न प्रतियोगिता के आयोजन के साथ ही जन जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे है। उन्होंने बताया कि गुरूवार को चिकित्सा विभाग, राजीविका, मनरेगा, आईसीडीएस एवं शिक्षा विभाग की और से संकल्प रैली, 5 जुलाई को भारत स्काउट एण्ड गाइड, उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की और से मानव श्रृंखला, 6 जुलाई को शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा एवं तकनीकी विभाग की और से निबंध प्रतियोगिता, 8 जुलाई को उपखंड स्तर पर वृक्ष चौपाल, 9 जुलाई को महिला अधिकारिता विभाग, राजीविका, आईसीडीएस एवं शिक्षा विभाग की और से शपथ कार्यक्रम, 10 जुलाई को पंचायतीराज एवं स्वायत्त शासन विभाग की और से नारा लेखन, 11 जुलाई को खेल एवं युवा मामलात विभाग की और से वाहन रैली, 12 जुलाई को सहकारिता, पशुपालन, कृषि एवं मनरेगा की और से ग्राम सहकार एवं वृक्ष मित्र, 13 जुलाई को शिक्षा, खेल एवं युवा मामलात विभाग की और से वाद-विवाद एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता तथा 15 जुलाई को महिला अधिकारिता विभाग की और से प्रभात रैली का आयोजन किया जाएगा।

कायाकल्प कार्यक्रम में जिले के 77 चिकित्सा संस्थानों का हुआ चयन

पाली। कायाकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत पाली जिले के 77 चिकित्सा संस्थानों का चयन हुआ है। इन चिकित्सा संस्थानों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया जाएगा। सीएमएचओ डॉ.विकास मारवाल ने बताया कि कायाकल्प कार्यक्रम के तहत वर्ष 2023-24 के लिए राज्य स्तरीय समिति द्वारा जिले के 77 चिकित्सा संस्थानों को पुरस्कृत करने के लिए चयन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत उप जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र को सम्मिलित किया गया, जिसमें राज्य एवं जिला स्तरीय मूल्यांकन टीमों द्वारा चिकित्सा संस्थानों का कायाकल्प के मापदंड के अनुसार मूल्यांकन किया गया था, जिसमें जिले की 01 उप जिला चिकित्सालय, 23 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में से 13 एवं 71 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में से 28, पांच शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में से 05 एवं 102 आयुष्मान आरोग्य मंदिर में से 30 आयुष्मान मंदिर को सांत्वना श्रेणी पुरस्कार में चयन किया गया। उन्होंने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र श्रेणी में पाली जिले के रानी ब्लॉक के अधीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जवाली का 89.72 अंकों के साथ प्रथम स्थान पर चयन किया गया तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र श्रेणी में जिले के सुमेरपुर ब्लॉक के अधीन आयुष्मान आरोग्य मंदिर खिवांदी को प्रथम, बाली ब्लॉक के आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र कोट बालियान को प्रथम रनरअप तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र मंडला का द्वितीय रनरअप में चयन किया गया। सीएमएचओ डॉ.मारवाल ने समस्त चयनित चिकित्सा संस्थान के प्रभारी को बधाई देते हुए बधाई दी तथा इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 24- 25 में संचालित कायाकल्प कार्यक्रम में बेहतरीन कार्य कर अधिक से अधिक चिकित्सा संस्थानों द्वारा पुरस्कार प्राप्त किया जाएं।

इन चिकित्सा संस्थानों का हुआ कायाकल्प कार्यक्रम में चयन

पाली। कायाकल्प कार्यक्रम में पाली जिले के उप जिला अस्पताल सोजत, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सादड़ी, घाणेराव, नाडोल, देसूरी, रानी, सोजतरोड़, सुमेरपुर, सिरीयारी, चंडावल, तखगतढ़, कोसेलाव, खारची, चाणोद व खौड़, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जवाली, गुंदोज, खिंवाड़ा, मुसालिया, फालना, बांकली, नोवी, नारलाई, वायद, भारूंदा, राजोला कलां, चामुण्डेरी, धनला, अटबड़ा, जाडन, धणा, सलोदरिया, रूपावास(सोजत), खैरवा, धामली, बीजापुर, कंटालिया, सियाट, मुण्डारा, पनौता, बिसलपुर, राणावास व पांचेटिया, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में टैगोर नगर, मंडिया रोड, हाउसिंग बोर्ड, नाडी मोहल्ला, प्रताप नगर तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर उपस्वास्थ्य केंद्र में बसंत, भैसाणा, फालना गांव, देवली हुल्ला, चामुण्डेरी, लालराई, जादरी, खोखरा, राजोला, चंडावल स्टेशन, मामावास, भिंवालिया, धीनावास, गलथनी, देवली पाबूजी, रामासनी बाला, मोकमपुरा, बिरामी, जैतपुरा, सापुनी, पड़ासला कलां व कैनपुरा गांव के आयुष्मान आरोग्य मंदिर उपस्वास्थ्य केंद्र का चयन कालाकल्प कार्यक्रम में चयन हुआ है।

किनको कितनी मिलेगी पुरस्कार स्वरूप राशि

पाली। कायाकल्प कार्यक्रम के तहत चयनित चिकित्सा संस्थानों को प्रोत्साहन स्वरूप निर्धारित राशि आवंटित की जाएगी। यह राशि इन चिकित्सा संस्थानों के विकास कार्यों एवं मरीजों की सुविधाओं के लिए खर्च की जाएगी। सीएमएचओ डॉ.विकास मारवाल ने बताया कि कायाकल्प कार्यक्रम में उपजिला अस्पताल व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को एक-एक लाख रुपए की राशि, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों व शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को 50-50 हजार रूपए तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्रों को 25-25 हजार रूपए की राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जवाली को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर दो लाख रूपए की राशि, आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र खिवांदी को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर एक लाख रूपए की राशि, आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र कोट बालियान के प्रथम रनरअप के लिए चयन होने पर 50 हजार रूपए तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र मंडला के द्वितीय रनरअप में चयन होने के लिए 35 हजार रूपए की राशि का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री पौधारोपण अभियान के तहत संकल्प रैली गुरुवार को

पाली। मुख्यमंत्री पौधारोपण अभियान 2024 के तहत 4 जुलाई गुरूवार को बांगड़ चिकित्सालय से संकल्प रैली का आयोजन किया जाएगा। सीएमएचओ डॉ.विकास मारवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री पौधारोपण अभियान 2024 की जनजागरण कार्ययोजना के तहत 4 जुलाई गुरूवार को प्रातः 10 बजे संकल्प रैली राजकीय बांगड़ चिकित्सालय से निकाली जाएगी। इस संकल्प रैली को जिला कलेक्टर एलएन मंत्री हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यह जागरूकता संकल्प रैली बांगड़ अस्पताल से होती हुई सूरजपोल, अहिंसा सर्किल, हिन्दसेवा मंडल कार्यालय, रोटरी भवन, लोढ़ा स्कूल होते हुए पुनः बांगड़ अस्पताल पहुंच कर संपन्न होगी। इस रैली में एएनएम व जीएनएम प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षणार्थी, पाली शहर की आशा सहयोगीनी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भाग लेंगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पौधारोपण अभियान-2024 के तहत 4 जुलाई को निकाली जाने वाली संकल्प रैली के लिए चिकित्सा विभाग को प्रभारी विभाग बनाया गया है एवं सहभागी विभाग में महिला अधिकारिता विभाग, राजीविका, मनरेगा, शिक्षा एवं महिला एवं बाल विकास विभाग रहेंगे।

इन ग्राम पंचायतों में लगेंगे आधार नामांकन शिविर

झुंझुनूं । जिले के शत-प्रतिशत बच्चों के आधार नामांकन करने के लिए ग्राम पंचायत वार शिविर लगाए जाएंगे। इसी क्रम में 07 जुलाई को घुमनसरकलां के आंगनबाड़ी केन्द्र पर एवं 5 जुलाई को तिगियास के आंगनबाडी केन्द्र पर शिविर आयोजित होंगे। शिविर में बच्चे का नया आधार कार्ड बनवाने के लिए बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र की मूल प्रति एवं बच्चे के माता अथवा पिता को अपने आधार कार्ड जिसमे मोबाईल नम्बर रजिस्टर्ड हो साथ स्वयं उपस्थित होवें। पिलानी के ब्लॉक प्रोग्रामर सुशील कुमार वर्मा ने बताया कि शिविर के दौरान बाल आधार नामाकंन का कार्य निःशुल्क किया जाएगा।

बाढ़ आपदा प्रबंधन/ अतिवृष्टि की तैयारीयों के लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

झुंझुनूं । जिले में बाढ़ व जल भराव की स्थिति के दौरान बचाव एवं राहत कार्यों की तैयारी को लेकर बाढ़ आपदा प्रबंधन की समीक्षा बैठक बुधवार को जिला कलक्टर चिन्मयी गोपाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिला कलेक्टर ने विद्त जनित हादसों की रोकथाम के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए की कॉमर्शियल विद्त कनेक्शन की जांच की जाए वही आम स्थान पर लगे ट्रांसफार्मर के आसपास सुरक्षा के प्रबंध किए जाएं। उन्होंने कहा की लापरवाही से करंट लगने की घटनाएं हो रही हैं इसके लिए उपभोक्ताओं को जागरूक करने के निर्देश दिए । बैठक में नगर पालिका के अधिकारियों को नालों की साफ- सफाई, सीवरेज लाइन के ढक्कन व नालियों के फेरो कवर लगाने के निर्देश दिए, वहीं शहरी क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट के कनेक्शन की जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल भराव की स्थिति से निपटने के लिए मिट्टी के कट्टों, पानी को निकालने की मोटर्स एवं सभी आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने उपखंड अधिकारियों एवं अधिशासी अधिकारियों को जल भराव वाले क्षेत्रों का चिन्हिकरण कर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने के निर्देश दिए। जल भराव वाले स्थानों की फेंसिंग करवाने व चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश दिए । जिला कलेक्टर ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को जल भराव वाली सड़कों पर संकेतक लगाने एवं गड्ढे भरने के निर्देश दिए। उन्होंने उपखंड स्तरीय अधिकारियों को आपदा के समय प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के लिए भवनों एवं स्थानों को चिन्हांकित करने के निर्देश दिए, ताकि अस्थायी शिविर बनाए जा सकें। जिले में गोताखोरों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सम्पर्क किया जाए। इस दौरान उन्होंने पंचायत स्तरीय अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों में जल भराव वाले स्थानों की पहचान करने व ग्राम पंचायत में उपलब्ध संसाधनों की कार्यशीलता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए । उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों व खनन क्षेत्र में जल भरने वाले तालाब व अन्य स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। एचडी के अधिकारियों को अतिवृष्टि के दौरान स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु पर्याप्त दवाइयों की व्यवस्था एवं मानसून के समय मच्छरों की रोकथाम के लिए फोगिंग करवाने के भी निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामरतन सौंकरीया, जिला परिषद सीईओ अंबालाल मीणा, अति पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह राठौड सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे वहीं जिले के समस्त उपखंड अधिकारी, अधिशासी अधिकारी व पंचायती राज के अधिकारी वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से वर्चुअली जुडे ।

स्कूलों में होगी बाल संसद, नशा मुक्त जिला के लिए बोलेंगे विधार्थी

- 5 जुलाई को संगरिया में अभियान के तहत होगी कार्यशाला
- पोधारोपण सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर समीक्षा बैठक का आयोजन

हनुमानगढ़ । जिला कलेक्टर काना राम नशा मुक्ति अभियान तथा पौधारोपण महाअभियान को लेकर गंभीर है। कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में सभी जिला स्तरीय अधिकारीगण तथा ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के साथ नशा मुक्ति एवं पौधारोपण को लेकर समीक्षा बैठक हुई। एसडीएम, बीडीओ तथा सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से बैठक में जुड़े। जिला कलेक्टर ने नशे की प्रवृति पर रोकथाम के लिए नशा मुक्त जिला अभियान की कार्ययोजना के बारे में विस्तार से बताया। जिला कलेक्टर ने कहा कि नशा मुक्ति अभियान को चार चरणों में बांटा गया है। निवारक शिक्षा तथा जागरूकता सृजन, क्षमता निर्माण, उपचार एवं पुनर्वास तथा सामुदायिक सहभागिता। काना राम ने कहा कि जिला स्तर पर कार्यशाला का आयोजन 26 जून को किया जा चुका है। अब सभी ब्लॉक स्तर पर कार्यशालाओं का आयोजन होगा, जिसके तहत 5 जुलाई को संगरिया में कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। जिसका उद्देश्य सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को जानकारी देना है कि हम नशा मुक्ति के लिए आगामी दिनों में क्या करने जा रहे है। जिला कलेक्टर ने कहा कि विद्यालयों में "नो बैग डे" दिवस पर प्रत्येक माह के चौथे शनिवार को नशा मुक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे । जिसके तहत वाद विवाद, संगोष्ठिया, निबंध प्रतियोगिता, बाल संसद, पोस्टर तथा पेंटिंग्स प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। स्कूल में सर्वाधिक उत्कृष्ट कार्य करने वाले दो प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही पंचायत, गांव तथा शहरों के वार्डों की दीवारों पर नारा लेखन तथा पेंटिंग बनाई जाएगी। जिला कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में नशा मुक्ति अवेयरनेस फोरम का गठन किया जाएगा। जिसके सदस्यों की समय-समय पर बैठक बुलाई जाएगी, जिससे नशा मुक्ति को लेकर उनका फीडबैक लिया जा सके। जो पंचायतें बेहतर कार्य करेगी, उन्हें स्वतंत्रता दिवस तथा गणतंत्र दिवस सहित अन्य कार्यक्रमों में सम्मानित किया जाएगा। सभी दुकानों पर नशा मुक्ति के पोस्टर चस्पा किए जाएंगे तथा सरकारी पत्राचार में नशा मुक्ति का लोगो लगाना अनिवार्य किया जाएगा। सभी सार्वजनिक कार्यों में नशा मुक्ति के लिए जागरूकता भाषण दिया जाएगा। जिला कलेक्टर ने कहा कि शिक्षण संस्थानों के नजदीक 100 मीटर के भीतर अगर कोई नशा विक्रय करते हुए मिलता है, तो उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी भी कीमत पर 100 मीटर दायरे में नशा विक्रय मंजूर नहीं किया सकता। पौधारोपण की समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि पंचायती राज विभाग को साढ़े पांच लाख पौधारोपण का लक्ष्य दिया गया है। जिसके तहत उन्होंने बीडीओ को निर्देश दिए की पौधारोपण के लिए गड्ढों की खुदाई, पौधों की बुकिंग करना तथा पौधारोपण करने जैसे कार्य समय पर कर ले। जिला कलेक्टर ने कहा कि पौधारोपण करना ही मकसद नहीं है, बल्कि उन्हें बच्चों की तरह पालन पोषण कर बड़ा करना तथा सुरक्षित करना पौधारोपण का मूल उद्देश्य है। दो महीने बाद जिओ टैगिंग के माध्यम से भौतिक सत्यापन किया जाएगा कि कितने पौधे सुरक्षित है। नगर परिषद आयुक्त सुरेंद्र यादव ने बताया कि प्रत्येक वार्ड में सौ-सौ पौधे आमजन को वितरित किए जाएंगे । बैठक में जिला कलेक्टर सहित एडीएम उम्मेदी लाल मीना, एडिशनल एसपी श्रीमती नीलम चौधरी, जिला परिषद सीईओ सुश्री सुनीता चौधरी, हनुमानगढ़ एसडीएम डॉ. दिव्या चौधरी, कृषि विपणन संयुक्त निदेशक सुभाष चंद्र डूडी, आईसीडीएस उपनिदेशक प्रवेश सोलंकी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता के उपनिदेशक सुरेंद्र कुमार पुनिया उपस्थित रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ने त्रिनेत्र बालगृह का मासिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सवाई माधोपुर । राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष महोदय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव समीक्षा गौतम ने त्रिनेत्र बालगृह सवाई माधोपुर का मासिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान बालगृह में बालकों के कौशल विकास, बालकों का कम्प्यूटर ज्ञान, स्टाफ की स्थिति, बालको को दी जाने वाली चिकित्सकीय सुविधा, फर्स्ट एड बॉक्स की व्यवस्था, कुशल परामर्शदाता, स्नानागार, पर्याप्त ओढने-बिछाने की व्यवस्था, बालकों के कक्षों में साफ-सफाई, बालकों के दैनिक उपयोग की वस्तुओं की उपलब्धता, भोजन की व्यवस्था, बालकों को दी जाने वाली भोजन सामग्री का डाईट चार्ट, बालगृह में विजिट करने वाले व्यक्तियों आदि के संबंध में पूछताछ कर जांच की गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ने मौके पर उपस्थित त्रिनेत्र बालगृह के संचालक हरीश उपाध्याय को बालकों के कौशल विकास को सुधारने, बालकों को कम्प्यूटर संबंधी ज्ञान उपलब्ध करवाने, बालकों को दी जाने वाली भोजन सामग्री के विवरण का डाईट चार्ट एवं बालगृह के कार्मिकों के नाम दीवार पर चस्पा करने तथा बालगृह में विजिट करने वाले व्यक्तियों के लिये अलग से रजिस्टर का संधारण करने आदि के संबंध में दिशा-निर्देश प्रदान किये तथा साथ ही संस्था में प्रतिमाह स्वास्थ्य जांच हेतु डॉक्टर की विजिट, बालकों के लिये प्राथमिक उपचार किट एवं पर्याप्त चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध करवाने आदि के संबंध में निर्देश प्रदान किये। पिछले निरीक्षण के अनुक्रम में त्रिनेत्र बाल गृह में डाइट चार्ट, दैनिक दिनचर्या सारणी की सूची आदि चस्पा कर दिये गये। दौराने निरीक्षण बालगृह में 35 बालक मौके पर उपस्थित पाए गए। निरीक्षण के दौरान बालगृह संचालक हरीश उपाध्याय सहित अधीक्षक माया शर्मा, काउंसलर अर्पणा शर्मा, गृह प्रबन्धक लक्ष्मी मीना, सहायिका वीणा उपाध्याय, पूजा शर्मा परिवीक्षा अधिकारी एवं भण्डार सहलेखाकार कुलदीप शर्मा आदि उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर ने राजकीय भूमि व खेल मैदानों को अतिक्रमण मुक्त कराने के दिए निर्देश

-राजस्व विभाग के अधिकारियों की बैठक आयोजित

सवाई माधोपुर । राजस्व विभाग के अधिकारियों की बैठक जिला कलक्टर डॉ. खुशाल यादव की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। जिला कलक्टर ने कहा कि सभी राजस्व अधिकारी अपने क्षेत्र की राजकीय भूमि, राजकीय विद्यालयों एवं खेल मैदानों को अतिक्रमण मुक्त कराकर पौधारोपण कार्य कराया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई में आये प्रकरणों राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज होने के पश्चात निर्धारित समयावधि में गुणवत्तपूर्ण निस्तारण किया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान चारागाह भूमि व अमृत सरोवर पर अभियान चलाकर जन सहयोग से सघन पौधारोपण सुनिश्चित किया जाए। वहीं राजस्व ग्रामों को मुख्य सड़क से जोड़ने वाले मार्गो के दोनो तरफ छायादार व फलदार पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन का कार्य किया जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान के अन्तर्गत हुए कार्यो का सर्वे कर जीर्णोद्वार कराया जाए ताकि उनमे वर्षा जल संग्रहित हो सके। इसके साथ-साथ आमजन के हितार्थ नये कार्यो के लिए परियोजनाएं तैयार की जाए। बैठक में जिला कलक्टर ने मानचित्र सेग्रीगेशन, तरमीम से शेष रहे प्रकरणों की स्थिति, मानचित्र प्राथमिक जांच भू-अभिलेख निरीक्षक, मानचित्र विभागीय जांच सी.सी.ए. नियम 16 एवं 17 के अन्तर्गत प्रकरणों की स्थिति, विचाराधीन प्राथमिक जांचों की स्थिति, 16 एवं 17सीसीएं के प्रकरणों की स्थिति, खातेदारी अधिकारी देने संबंधी, भू-राजस्व अधिनियम की धारा 91 के प्रकरणों का निस्तारण, भूमिहीनों की संख्या एवं आवंटन हेतु उपलब्ध भूमि, भूमि रूपान्तरण के लंबित प्रकरण, फौजदारी प्रकरणों का निस्तारण, रोडा एक् के अन्तर्गत वसूली, एल.आर.एक्ट के अन्तर्गत वसूली, पी.डी.आर. एक्ट के अन्तर्गत वसूली, निरीक्षक राजस्व लेखा द्वारा किए गए निरीक्षण प्रतिवेदनों का मानचित्र, मानचित्र जमाबंदी, मानचित्र सीमांकन, मानचित्र कैडस्ट्रल आदि की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर जगदीश आर्य सहित राजस्व अधिकारी उपस्थित रहे।

ईएसआई डिस्पेंसरी में संचालित होगा बस स्टैंड, बजरिया में लोगों को जाम से मिलेगी राहत

सवाई माधोपुर । नगर परिषद क्षेत्र में एक और अतिक्रमण हटाकर जहां आमजन को राहत प्रदान की जा रही है, वहीं अब बसों के खड़े रहने की वजह से आए दिन बाजार की सड़कों पर लगने वाले जाम से भी आमजन को राहत देने के लिए नगर परिषद ने तैयारी कर ली है। इसके लिए नगर परिषद आयुक्त फतेहसिंह ने बुधवार को बस यूनियन पदाधिकारियों की बैठक लेकर निर्देश भी प्रदान किए है। नगर परिषद आयुक्त ने बताया कि बजरिया में सिटी, गंगापुर सिटी, दौसा आदि स्थानों की ओर जाने वाले बसों के लिए अस्थायी बस स्टैंड बने हुए हैं जहां बिना किसी परिवहन नियमों के तीतर-बीतर अवस्था में बसें खड़ी होने से जाम की स्थिति बनी रहती है। इस संबंध में बस यूनियन पदाधिकारियों की बैठक लेकर सुझाव लिए गए तथा सभी जगहों की बसें बजरिया ट्रक यूनियन के पास स्थित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में खड़ी करने पर सहमति ली गई। इस पर सभी यूनियन पदाधिकारियों ने भी आमजन को जाम से होने वाले असुविधा को देखते हुए सहमति प्रदान की। उन्होंने बताया कि मुख्य बाजार के स्थानों से बस स्टैंड को अन्यत्र जगह पर शिफ्ट करने से आमजन को जाम से राहत मिल सकेगी। शहर की ओर जाने वाली बसें अम्बेडकर सर्किल होते हुए पुलिया से निकलेगी, वहीं गंगापुर सिटी, दौसा की ओर जाने वाली बसें ट्रक यूनियन होते हुए निकलेगी। इससे मुख्य बाजार के बाहर से बसों के निकलने की व्यवस्था से लोगों को जाम की स्थिति का सामना नहीं करना पड़ेगा। बैठक में जिला परिवहन अधिकारी पुन्या राम मीना, पुलिस उपाधीक्षक यातायात ब्रजेश कुमार, सहायक अग्निशमन अधिकारी कृष्णकांत मीणा एवं सभी बस यूनियन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

जिला कलक्टर अल सुबह पहुंचे राजकीय योग एवं चिकित्सा अनुसंधान केन्द

सवाई माधोपुर । जिला कलक्टर डॉ. खुशाल यादव बुधवार को योगाभ्यास सत्र के दौरान अल सुबह राजकीय योग एवं चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र महाराणा प्रताप कॉलोनी सवाई माधोपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने प्रतिदिन कराने जाने वाले योगाभ्यास क्रियाओं की जानकारी ली। उन्होंने वॉलेन्टियर्स को प्रशिक्षण प्रदान कर जिला, ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तर तक आयुर्वेद व योग पद्धिति को जन-जन तक पहुंचाने के लिए आयुर्वेद विभाग द्वारा सामुहिक रूप से प्रयास करने की बात कहीं। उन्होंने नगर परिषद से समन्वय स्थापित कर अनुसंधान केन्द्र पर मूलभूत सुविधाओं एवं साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आयुर्वेद विभाग के उप निदेशक डॉ. मीठालाल मीना ने बताया कि राजकीय योग एवं चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र पर योग को आमजन के जीवन में उतारकर उन्हें स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने हेतु प्रतिदिन प्रातः 6 बजे से 8 बजे तक आयोजित होने वाले योगाभ्यास के दौरान ताड़ासन, अर्धचक्रासन, मकरासन, भुजंगासन, पदहस्तासन, त्रिकोणासन, भद्रासन, वज्रास, शवासन आदि योग क्रियाएं करवाई जाती है। साथ ही कपालभाति, अनुलोम-विलोम, नाड़ी शोधन, शीतली तथा भ्रामरी जैसे प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास करवाया जाता है। इस दौरान योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. पूजा जनार्गल, योग प्रशिक्षक सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कोटा में JEE कोचिंग स्टूडेंट ने की आत्महत्या, कमरे में पंखे से फंदे पर लटका मिला शव

कोटा। कोटा में सुसाइड करने वाला संदीप 2 साल कोटा में कोचिंग कर रहा था। कोटा के महावीर नगर इलाके में एक पीजी में रहता था। आज सुबह यानी 5 जुलाई को सुबह संदीप की लाश उसके कमरे में फांसी के फंदे पर लटका मिला। महावीर नगर थाना पुलिस सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची। शव को एमबीएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

साथी छात्र ने खिड़की से शव को लटकते देखा

पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि छात्र कल 9:30 बजे मेस में खाना खाने आया था। इसके बाद उसके साथ के कमरे में रहने वाले छात्र ने आज सुबह खिड़की से उसको फंदे पर लटका देखा। मकान मालिक को सूचना दी।

पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

मकान मालिक ने मौके पर पहुंचकर दादाबाड़ी थाने को सूचित किया। इसके बाद पुलिस ने फंदे पर लटके छात्र को उतारा और अस्पताल लेकर गए। चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस अब इस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

राजकुमार रोत का ऐलान, उप-चुनाव में कांग्रेस-BAP का टूट जाएगा गठबंधन; चौरासी पर त्रिकोणीय मुकाबला

लोकसभा चुनाव में भारत आदिवासी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन हुआ था। राजकुमार रोत इंडिया गठबंधन से चुनाव लड़े थे। बांसवाड़ा लोकसभा सीट से सांसद निवार्चित हुए। इसके पहले चौरासी विधानसभा से भारत आदिवासी पार्टी के विधायक थे। सांसद बनने के बाद विधायकी से इस्तीफा दे दिया।

राजकुमार रोत के सांसद बनने पर चौरासी सीट खाली

चौरासी विधानसभा सीट खाली हो गई। इस सीट पर होने वाले उप-चुनाव में भारत आदिवासी पार्टी (BAP) अकेले चुनाव लड़ेगी। भारत आदिवासी पार्टी, भाजपा और कांग्रेस ने अपने-अपने प्रभारी नियुक्त कर दिए। इस सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल सकता है।

चौरासी विधानसभा सीट पर 10 साल से BAP का कब्जा

डूंगरपुर जिले की चौरासी विधानसभा पर पिछले दो चुनावों से भारत आदिवासी पार्टी (BAP) का कब्जा है। BAP के राजकुमार रोत यहां से लगातार दूसरी बार विधायक बने थे। पिछले चुनाव में राजकुमार ने भाजपा के सुशील कटारा को 70 हजार मतों से हराया था। चौरासी विधानसभा सीट पर कांग्रेस की जमानत जब्त हो गई थी

चौरासी विधानसभा में BAP की स्थिति काफी मजबूत मानी जा रही है। विधायक के उप-चुनाव में BAP इस सीट पर कब्जा बनाए रखने के लिए पूरा प्रयास करेगी। सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा भी इस बार BAP का गढ़ ढहाने का इरादा लेकर मजबूती से चुनावी मैदान में उतरने के मुड़ में है। पिछले चुनाव में कांग्रेस पार्टी यहां तीसरे स्थान पर थी। कांग्रेस के उम्मीदवार ताराचंद भगोरा की जमानत जब्त हो गई थी।

चौरासी विधानसभा सीट पर भाजपा के संभावित उम्मीदवार

चौरासी सीट पर उप-चुनाव के लिए संभावित उम्मीदवारों की बात करें तो भाजपा से पूनावाडा सरपंच मनोहरलाल डामोर, बड़गामा सरपंच कांतिलाल अहारी, भचड़िया सरपंच गट्सिंह डामोर, गंधवा सरपंच ईश्वर विहात, पूर्व प्रधान महेंद्र बरजोड़ में से कोई एक हो सकता है।

कांग्रेस और BAP के संभावित उम्मीदवार

कांग्रेस से पूर्व प्रधान निमिषा भगोरा, सीमलवाड़ा सरपंच रूपचंद भगोरा, भादर सरपंच विनोद कटारा, कारीलाल बुझ और महेंद्र भगोरा में से किसी एक पर दाव लगा सकती है। BAP में पोपट खोकरिया ओर अनिल चिखली के नाम चर्चा में है। लेकिन, BAP पार्टी में उम्मीदवार चयन को लेकर बनी हुई सलेक्शन प्रणाली में कोई ओर नाम भी आ सकता है।

राजकुमार रोत ने लोकसभा चुनाव कांग्रस से गठबंधन की बात नकारा

चुनावी समीकरण की बात करें तो लोकसभा चुनाव में BAP और कांग्रेस का गठबंधन हुआ था, जिसकी वजह से कांग्रेस ने BAP के राजकुमार रोत को अपना समर्थन देते हुए उम्मीदवार नहीं उतारा था। गठबंधन की बात आती है तो उम्मीदवार किस पार्टी का होगा यह आने वाले समय में ही तय होगा। लेकिन, यहां गठबंधन के आसार कम ही है। क्योंकि, लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद नवनिर्वाचित सांसद राजकुमार रोत ने कांग्रेस से गठबंधन की बात को नकारते हुए कहा था कि कांग्रेस ने उन्हें समर्थन दिया था, गठबंधन नहीं हुआ था।

BAP अपनी परंपरागत सीट से नहीं करना चाहेगी समझौता

BAP अपनी परंपरागत और मजबूत सीट पर किसी भी पार्टी से समझौता नहीं करना चाहेगी, इसलिए चौरासी सीट पर उप-चुनाव में त्रिकोणीय मुकाबला होने के आसार हैं। उप-चुनाव में भाजपा भी सरकार होने का फायदा उठाते हुए चौरासी सीट पर पूरी ताकत लगाने के मुड़ में है। अब ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा कि भाजपा या कांग्रेस BAP पार्टी के गढ़ को भेद पाएगी या नहीं।

जिला कलक्टर जौंला में करेंगे ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन

सवाई माधोपुर । आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु जिला कलक्टर डॉ. खुशाल यादव 4 जुलाई को पंचायत समिति चौथ का बरवाड़ा की ग्राम पंचायत जौंली के भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र में ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन कर आमजन की परिवेदनाएं सुनेंगे। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने जगदीश आर्य ने बताया कि माह के प्रथम गुरूवार को जौंला, आदलवाड़ा कलां, बिन्जारी, भेडोला, चौथ का बरवाड़ा में ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया जाएगा। जनसुनवाई के दौरान आमजन की परिवेदनाओं की सुनवाई कर उनका समाधान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 4 जुलाई को जिला कलक्टर की अध्यक्षता में पंचायत समिति चौथ का बरवाडा की ग्राम पंचायत बलरिया में रात्रि चौपाल का आयोजन भी किया जाएगा।

टोंक में क्यों लगे सचिन पायलट मुर्दाबाद के नारे? वायरल वीडियो से गरमाई राजस्थान की सियासत

टोंक। राजस्थान के सियासी गलियारों में इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, जिसमें लोगों की भीड़ 'सचिन पायलट मुर्दाबाद' के नारे लगाती हुई नजर आ रही है। करीब 4 मिनट के इस वीडियो में लोग सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और जोर-जोर अपने विधायक के खिलाफ नारे लगा रहे हैं। इस दौरान पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी टोंक की जनता को समझाने की कोशिश करते हैं, मगर विरोध प्रदर्शन जारी रहता है। पायलट के गढ़ में सचिन का ऐसा विरोध देखकर सभी हैरान हैं। इसीलिए यह वीडियो गुरुवार सुबह 'X' पर टॉप ट्रेंड कर रहा है।

हेड कॉन्स्टेबल की टैक्टर से टक्कर के बाद मौत

यह पूरा मामला टोंक में बजरी माफिया के आतंक से जुड़ा है। कुछ दिन पहले थाना कोतवाली में तैनात हेड कॉन्स्टेबल खुशीराम को बजरी माफिया ने ट्रैक्टर से टक्कर मारकर घायल कर दिया, जिसकी जयपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। इस घटना के गुस्साए दलित समाज के लोग बुधवार को सड़कों पर उतर आए और कलेक्ट्रेट में नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा की मौजूदगी में सचिन पायलट मुर्दाबाद के नारे भी लगे। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से मांग की कि मृतक पुलिसकर्मी को शहीद का दर्जा देते हुए परिवार को 1 करोड़ की सहायता राशि दी जाए। हालांकि अभी तक इस मामले में कोई सहमति नहीं बन पाई है। इस कारण बुधवार को मृतक पुलिसकर्मी का अंतिम संस्कार नहीं हो सका। वहीं शव जयपुर से टोंक भी नहीं लाया गया।

पायलट ने राज्य सरकार से की कार्रवाई की मांग

बजरी माफिया के इस आतंक का ताजा मामला सचिन पायलट के संज्ञान में है और उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट करते हुए राज्य सरकार से इन अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने मृतक कॉन्स्टेबल की तस्वीर शेयर करते हुए अपनी पोस्ट में लिखा, 'ट्रैक्टर द्वारा टक्कर मारे जाने से टोंक जिले के हेड कांस्टेबल खुशीराम बैरवा की मृत्यु होने की खबर हृदयविदरक है। प्रदेश में बजरी माफिया जिस प्रकार बढ़ रहा है। उस पर लगाम लगाने की सख्त आवश्यकता है। राज्य सरकार ऐसे अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाईकरे। खुशीराम ने अंतिम समय तक अपने कर्त्तव्य का निर्वहन किया। मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं एवं उनके परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

बजरी माफिया के खिलाफ कुछ नहीं बोला'

वहीं, सोशल मीडिया पर #सचिनपायलट के साथ की जा रहीं पोस्ट पर गौर करें तो उसमें लोग कह रहे हैं कि, 'बैरवा की हत्या के बावजूद सचिन पायलट ने बजरी माफिया के खिलाफ कुछ नहीं बोला है। टोंक में बजरी माफिया ने ये दूसरी हत्या की है। टोंक सचिन पायलट का विधानसभा क्षेत्र है। पिछली बार शंकर मीणा की हत्या हुई थी। तब न्याय दिलाने हनुमान बेनीवाल गए थे। उम्मीद है इस बार सचिन पायलट इस गरीब को न्याय दिलाने जाएंगे और बजरी माफिया के खिलाफ अपना मुंह खोलेंगे। वरना यही समझा जाएगा कि पायलट साहब की बजरी माफिया के साथ मिलीभगत है।

पंजाब के रास्ते पाकिस्तान से भारत आ रहे नकली नोट! जोधपुर में गिरफ्तार हुआ गैंग

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर शहर में नकली नोट चलाने वाली एक बड़ी गैंग का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 45,500 रुपये के नकली नोट बरामद हुए हैं। ये सभी नोट 500-500 के हैं। पुलिस ने संभावना जताई है कि यह करेंसी पाकिस्तान से पंजाब के रास्ते भारत के अन्य हिस्सों में जा रही है। हालांकि पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है, और आरोपियों से पूछताछ कर हर एंगल एक्सप्लोर कर रही है।

आरटीओ ऑफिस रोड हुई गिरफ्तारी

जोधपुर एसीपी छवि शर्मा ने इस बारे में ज्यादा जानकारी देते हुए बताया, 'माता का थाना अधिकारी विक्रम सिंह चारण को सूचना मिली थी कि कुछ लोग नकली करेंसी बाजार में चलाने का प्रयास कर रहे हैं। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए थानाधिकारी 80 फीट आरटीओ ऑफिस रोड पर पहुंचे और कार में बैठे 5 संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ करने लगे। तलाशी के वक्त उनके कब्जे से 45500 रुपये के नकली नोट बरामद हुए। पूछताछ में सामने आया कि यह लोग जोधपुर से अफीम लेकर पंजाब जाते थे और पंजाब में उन्हें यह नकली नोट मिलते थे।

4 लाख के नकली नोट शौक-मौज में उड़ाए

एसीपी शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार किए गए पांचों आरोपी फलोदी जिले के रहने वाले हैं। सभी आरोपी 18 वर्ष से लेकर 22 साल की उम्र के हैं। इन्होंने अब तक करीब चार लाख रुपये के नकली नोट शौक-मौज में उड़ा दिए हैं। इन लोगों ने पूछताछ में लोहावट के मांगीलाल से यह नकली नोट लेना बताया है। फिलहाल फेक करेंसी के मामले में नोडल थाना सरदारपुरा में मामला दर्ज किया गया है, और पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। आपको बता दें कि पूर्व में भी पाकिस्तान द्वारा बाड़मेर जैसलमेर के रास्ते नकली नोट भेजे जाते थे। लेकिन अब पाकिस्तान से पंजाब रूट के जरिए नकली नोट भारत में आने की खुलासा इन आरोपियों ने किया है। सुरक्षा एजेंसी इस मामले की जांच कर रही है।

प्रत्येक गौशाला में 200 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण में निभाए अहम जिम्मेदारी - जिला कलेक्टर

हनुमानगढ़। जिला कलेक्टर कानाराम ने मंगलवार को जिले के गौशाला संचालकों के साथ वीसी से संवाद किया। उन्होंने सघन पौधारोपण महाअभियान के दौरान गौशालाओं में अधिकाधिक पौधे लगाने के लिए अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गौशाला में जगह अनुसार 200 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण में अपनी अहम जिम्मेदारी निभाए।

कार्यक्रम में गौशाला संचालकों ने कहा कि वे अपने परिसर में पौधे लगाकर भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। इस दौरान संचालकों से प्राप्त सुझावों पर जिला कलेक्टर ने शीघ्र नियमानुसार कार्य करवाने के लिए आश्वस्त किया। साथ ही, पशुपालन विभाग के सभी कार्यालयों में भी पौधे लगाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनीता चौधरी, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. हरीश गुप्ता व अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्ट्रेट सभागार में वीसी से जिले के गौशाला संचालक, विभाग के ब्लॉक, ग्राम पंचायत स्तर के कार्मिक जुड़े।

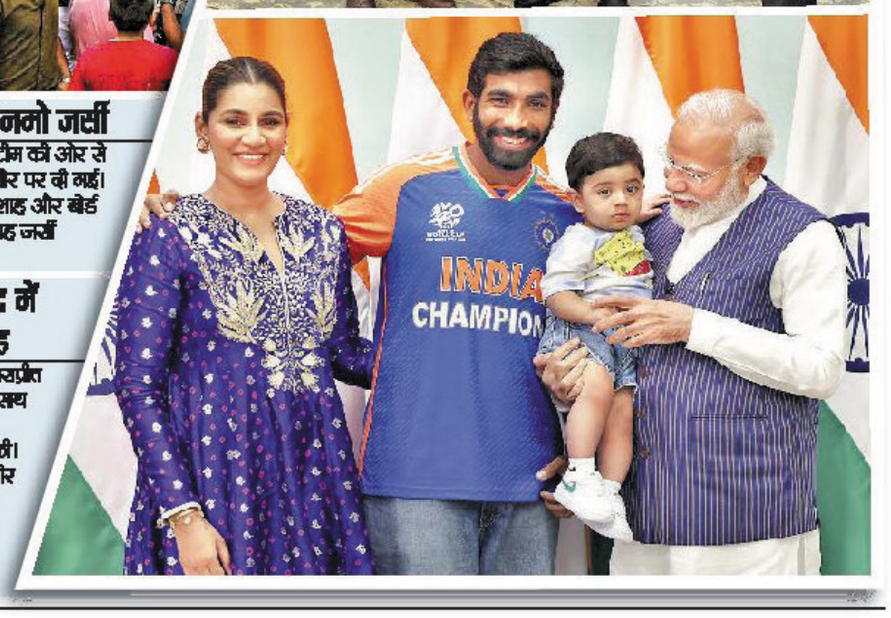

नई दिल्ली, शुक्रवार 5 जुलाई 2024

स्वदेश पहुंचने पर भारतीय खिलाड़ियों ने किया डांस, प्रधानमंत्री मोदी के साथ लगाए ठहाके

हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद टी-20 वर्ल्डकप चैंपियन भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा, ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या, सूर्यकुमार यादव और ऋषभ पंत सहित अधिकांश खिलाड़ियों ने डांसरों के साथ भांगड़ा डांस किया। इस दौरान तैनात सुरक्षाकर्मियों के चेहरों पर भी मुस्कान थी। लंबी यात्रा की थकान के बावजूद खिलाड़ियों ने उन सभी से हाथ मिलाया जो उनसे मिलना चाहते थे। खिलाड़ी ट्रॉफी के आकार का केक काटने के बाद अपने कमरों में चले गए।

मोदी को मिली नमो जर्सी

पीएम मोदी को भारतीय टीम की ओर से नमो जर्सी भी तोहफे के तौर पर दी गई। बीसीसीआई सचिव जय शाह और बोर्ड अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने यह जर्सी प्रधानमंत्री को भेंट की।

पीएम की गोद में अंगद बुमराह

भारत के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पीएम मोदी के साथ मुलाकात की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की। दिल को छू लेने वाली तस्वीर में पीएम मोदी ने बुमराह, संजना और उनके बेटे अंगद के साथ पोज देते हुए दिखाई दे रहे हैं।

खबर संक्षेप

राजावत ने गेम्के को रौंदा आयुष और शंकर बाहर

कैलगेरी। उभरते हुए भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी प्रियांशु राजावत ने यहां कनाडा ओपन के पुरुष एकल के पहले दौर में अपने से बेहतर रैंकिंग वाले डेनमार्क के रासमुस गेम्के को हराया। दुनिया के 39वें नंबर के खिलाड़ी राजावत ने बुधवार रात आठवें वरीय गेम्के को तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में एक घंटे और 10 मिनट में 17-21, 21-16, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। राजावत अब पुरुष एकल में एकमात्र भारतीय खिलाड़ी बचे हैं। वह अगले दौर में जापान के ताकुमा ओबायाशी से भिड़ेंगे। पुरुष एकल में हिस्सा ले रहे दो अन्य भारतीयों आयुष शेट्टी और एस शंकर मुथुस्वामी सुब्रमण्यम को हार का सामना करना पड़ा। शेट्टी को जापान के छठे वरीय कोकी वातानाबे के हाथों 14-21, 11-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा जबकि शंकर को फ्रांस के एलेक्स लेनियर के खिलाफ 16-21, 17-21 से हार झेलनी पड़ी। महिला एकल में तान्या हेमंत ने कनाडा की जैकी डेंट को 21-13, 20-22, 21-14 से हराया जबकि अनुपमा उपाध्याय ने आयरलैंड की रैशेल डेरेग को 21-11, 21-11 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

बाबर ने पावर हिटिंग कोच यंग से मांगी मदद

लाहौर। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने हाल ही में समाप्त हुए विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अपने टी20 कौशल को फिर से तराशने के लिए प्रसिद्ध ऑस्ट्रेलियाई पावर हिटिंग कोच शेनन यंग की मदद मांगी है।

बाबर ने टी20 विश्व कप के चार मैचों में 101 के स्ट्राइक रेट से 120 रन बनाए। बाबर ने ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल और जेक फ्रेजर मैकगर्क को कोचिंग दे चुके यंग से मुलाकात की और उनके साथ टी20 प्रारूप में सफलतापूर्वक पावर शॉट लगाने के लिए आवश्यक कौशल पर चर्चा की।

आडवाणी ने वापसी कर पारिख को हराया

रियाद। भारत के शीर्ष क्यू खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सिद्धार्थ पारिख को 4-2 से हराकर एशियाई बिलियर्ड्स चैंपियनशिप में खिताब की हैट्रिक की ओर कदम बढ़ाए।

आडवाणी ने कहा, लय बनाए रखना अच्छा है। सिद्धार्थ मजबूत प्रतिद्वंद्वी है। खेल की अप्रत्याशित प्रकृति को देखते हुए यह एक रोमांचक मैच था। जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ता है, ध्यान केंद्रित रखना महत्वपूर्ण होता है।

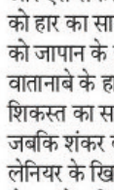

विंबलडन : कोको ने एंका को मुकाबले में 6-2, 6-1 से हराया

गॉफ, अल्कारेज की आसान जीत ओसाका दूसरे दौर में हारकर बाहर

एजेंसी ▶▶| लंदन

कोको गॉफ ने बुधवार को यहां क्वालीफायर एंका टोडोनी के खिलाफ सीधे सेट में आसान जीत के साथ विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के तीसरे दौर में जगह बनाई। पिछले साल ऑल इंग्लैंड क्लब पर पहले दौर में शिकस्त झेलने वाली दूसरी वरीय अमेरिका की गॉफ ने रोमानिया की एंका को दूसरे दौर के मुकाबले में 6-2, 6-1 से हराया।

पुरुष एकल में गत चैंपियन कार्लोस अल्कारेज ने एलेक्जेंडर वुकिक को 7-6, 6-2, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई जहां उनकी भिड़ंत 29वें वरीय फ्रांसेस टियाफो से होगी। अमेरिका के टियाफो ने बोर्ना कोरिक को दूसरे दौर के मुकाबले में 7-6, 6-1, 6-3 से हराया था। महिला एकल के अन्य नतीजों में चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका को दूसरे दौर में 19वें नंबर की ऐमा नवारो ने 6-4, 6-1 से हराकर बाहर कर दिया जबकि 11वीं वरीय डेनियल कोलिंस ने अपना पहले दौर का मैच पूरा किया। उन्होंने क्लारा टॉसन को 6-3, 7-6 से हराया।

संघर्ष कर जीते सिनर

बीट्रिज हदाद मेइया ने भी मैग्डेलेना फ्रेच को 7-5, 6-3 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। पुरुष एकल में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने 2021 के उपविजेता और इटली के अपने हमवतन माटेओ बेरेटिनी को कड़े मुकाबले में 7-6, 7-6 , 2-6, 7-6 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

बोपन्ना-एब्डेन की शानदार जीत

भारत के रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन ने यहां रोबिन हास और सैंडर एरेंड्स की जोड़ी पर आसान जीत के साथ विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। बोपन्ना और एब्डेन ने बारिश से बाधित पहले दौर के मुकाबले में एक घंटे 11 मिनट में नीदरलैंड के अपने प्रतिद्वंद्वियों को 7-5, 6-4 से हराया। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन दूसरी वरीयता प्राप्त बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी दूसरे दौर में हेंड्रिक जेबेंस और कॉन्स्टेंटिन फ्रेंटजन की जर्मनी की जोड़ी से भिड़ेगी। बोपन्ना और एब्डेन पिछले साल सत्र के तीसरे ग्रैंड स्लैम विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे।

गुकेश ने कारुआना को बराबरी पर रोका, प्रज्ञानानंदा ने अंक बांटे

एजेंसी ▶▶| बुकारेस्ट

विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने यहां सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर में शीर्ष पर चल रहे अमेरिका के फाबियानो कारुआना को बराबरी पर रोका। एक बार फिर दिन की सभी बाजियां ड्रॉ रही। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने रूस के इयान नेपोमनियाची के साथ अंक बांटे।

अंतिम स्थान पर चल रहे रोमानिया के डिएक बोगडेन-डेनियल ने फिरोजा के साथ ड्रॉ खेला जबकि गिरी ने वाचियेर-लाग्रेव के साथ बाजी ड्रॉ की। शीर्ष वरीय कारुआना दो जीत और पांच ड्रॉ से 4.5 अंक के साथ शीर्ष पर बरकरार हैं। उनके बाद गुकेश, प्रज्ञानानंदा और फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा हैं जो अमेरिकी से आधा अंक पीछे हैं।

नेपोमनियाची 3.5 अंक के साथ फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर-लाग्रेव के साथ संयुक्त पांचवें स्थान पर हैं। अमेरिका के वेस्ली सो, नीदरलैंड के अनीश गिरी और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव की तिकड़ी उनसे आधा अंक पीछे है। इस 3,50,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले टूर्नामेंट में अब केवल दो दौर बचे हैं।

पेरिस ओलंपिक

भारतीय एथलेटिक्स टीम की अगुवाई करेंगे नीरज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मौजूदा चैंपियन नीरज चोपड़ा 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में भारत की 28 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम की अगुवाई करेंगे।

टोक्यो ओलंपिक में भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतने वाले और मौजूदा विश्व चैंपियन चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक की तैयारी के सिलसिले में डायमंड लीग के अंतिम चरण में भाग नहीं लेने का फैसला किया है। भारतीय एथलेटिक्स टीम में 17 पुरुष और 11 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। चोपड़ा के अलावा इनमें एशियाई खेलों के चैंपियन अविनाश साबले, तेजिंदरपाल सिंह तूर और बाधा दौड़ के धावक ज्योति याराजी जैसे अन्य प्रमुख खिलाड़ी भी शामिल हैं। पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम में मुहम्मद अनस, मुहम्मद अजमल, अमोज जैकब और राजेश रमेश शामिल हैं। इस टीम ने हाल में विश्व चैंपियनशिप में अमेरिका की टीम को पीछे छोड़कर सनसनी मचा दी थी। पेरिस ओलंपिक में ट्रैक एवं फील्ड की स्पर्धाएं एक अगस्त से 11 अगस्त तक आयोजित की जाएगी।

भारतीय एथलेटिक्स टीम

पुरुष: अविनाश साबले (3,000 मीटर स्टीपलचेज), नीरज चोपड़ा, किशोर कुमार जेना (भाला फेंक), तजिंदरपाल सिंह तूर (शॉट पुट), प्रवीण चित्रवेल, अबुल्ला अबूबकर (ट्रिपल जंप), अक्षदीप सिंह, विकास सिंह, परमजीत सिंह बिष्ट (20 किमी पैदल चाल), मुहम्मद अनस, मुहम्मद अजमल, अमोज जैकब, संतोष तमिलारासन, राजेश रमेश (4x400 मीटर रिले), मिजो चाको कुरियन (4x400 मीटर रिले), सूरज पंवार (पैदल चाल मिश्रित मैराथन), सर्वेश अनिल कुशारे (ऊंची कूद)।

महिला: किरण पहल (400 मीटर), पारुल चौधरी (3,000 मीटर स्टीपलचेज और 5,000 मीटर), ज्योति याराजी (100 मीटर बाधा दौड़), अन्नू रानी (भाला फेंक), आभा खटुआ (शॉट पुट), ज्योतिका श्री दांडी, सुभा वेंकटेशन, विथ्या रामराज, पूवम्मा एमआर (4x400 मीटर रिले), प्राची (4x400 मीटर), प्रियंका गोस्वामी (20 किमी पैदल चाल)।

डोप जांच में विफल रही धाविका दीपांशी निलंबित

नई दिल्ली। नाडा ने हाल में राष्ट्रीय अतंर राज्यीय चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली भारत की शीर्ष महिला 400 मीटर धाविका दीपांशी को डोप जांच में विफल होने के कारण निलंबित किया। दीपांशी (21 साल) ने शुक्रवार को पंचकुला में महिलाओं के 400 मीटर फाइनल में किरण पहल (50.92 सेकंड) के बाद 52.01 सेकंड के समय से दूसरा स्थान हासिल किया था। टूर्नामेंट के दौरान लिए गए डोप नमूने में 'एनाबोलिक स्टेरायड' मिला है। ये नमूने 27 जून को (हीट रेस के बाद या सेमीफाइनल में) लिए गए। राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैंपियनशिप (27 से 30 जून) में यह पहला डोप पॉजिटिव मामला सामने आया है जो पेरिस ओलंपिक के लिए अंतिम क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी था। दीपांशी राष्ट्रीय शिविर में ट्रेनिंग नहीं करतीं।

टी20 विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद हो रही आलोचना

बाबर के भविष्य पर फैसला कर्स्टन से सलाह के बाद

एजेंसी ▶▶| लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने गुरुवार को कहा कि कप्तान के तौर पर बाबर आजम के भविष्य पर अभी कोई फैसला नहीं किया गया है और मुख्य कोच गैरी कर्स्टन तथा पूर्व खिलाड़ियों के साथ सलाह मश्विरे के बाद ही आगे फैसला लिया जाएगा।

नकवी ने कहा कि वह कर्स्टन और सहायक कोच अजहर महमूद से यहां जल्द ही मुलाकात करेंगे और राष्ट्रीय टीम के टी20 विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि वह जल्दबाजी में कोई भी फैसला नहीं करेंगे। नकवी ने टी20 विश्व कप में सुपर आठ चरण से पाकिस्तान के बाहर होने के बाद टीम की आलोचना की थी और कहा कि थी इसमें काफी बदलाव की जरूरत है। उन्होंने यहां मीडिया से कहा, 'मैंने कर्स्टन और महमूद से यहां आने के लिए कहा है क्योंकि मैं उनसे आमने सामने बात करना चाहता हूं। कर्स्टन ने टीम पर एक विस्तृत रिपोर्ट दी है जिससे हमें भविष्य के बारे में फैसला लेने में काफी मदद मिलेगी। अभी तक बाबर आजम के संबंध में कोई फैसला नहीं लिया गया है।'

महिला टीम का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टी-20 मैच आज

एशिया, वर्ल्ड कप से पहले भारत खेलेगा टी-20 श्रृंखला

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम शुक्रवार से यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 श्रृंखला का इस्तेमाल एशिया कप और टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों और रणनीति को पुख्ता करने के लिए करेगी। श्रीलंका में 19 जुलाई से होने वाले एशिया कप और बांग्लादेश में चार अक्टूबर से होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप से पहले यह भारत की सफेद गेंद से आखिरी द्विपक्षीय श्रृंखला है।

इसे देखते हुए हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय टीम इन बड़े टूर्नामेंट की तैयारी के लिए अपने प्रयास में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। टीम ने बेंगलुरु में तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला और यहां एकमात्र टेस्ट में भी इसके संकेत दिए हैं। दक्षिण अफ्रीका से टक्कर मिलने के बावजूद भारत ने अब तक सभी मैच जीते हैं। 2023 से अब तक भारत ने सात टी20 श्रृंखला खेली हैं जिनमें से तीन में उसे जीत मिली है और चार में हार का सामना करना पड़ा है। टीम इस आंकड़े को बेहतर करना चाहेगी। भारत को एकदिवसीय श्रृंखला और टेस्ट मैच में अपनी खिलाड़ियों की फॉर्म से राहत मिलेगी।

फार्म में बल्लेबाज

एकदिवसीय टीम की उप कप्तान और स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने तीन मैच में दो शतक और एक अर्धशतक के साथ शानदार प्रदर्शन किया जबकि हरमनप्रीत ने अंतिम वनडे में शतक जड़ा। एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा की खराब फॉर्म चिंता का विषय थी लेकिन उन्होंने यहां एकमात्र टेस्ट में महिला क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाकर इन चिंताओं को दूर कर दिया। जेमिमा रोड्रिग्स और रिचा घोष भी धीरे धीरे लय हासिल कर रही हैं।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत महिला: हरमनप्रीत कौर (कप्तान) स्मृति मंधाना, उमा छेत्री, रिचा घोष, डी हेमलता, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, सजीवन सजाना, दीप्ति शर्मा, आशा शोभना, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, शबनम शकील, पूजा वस्त्रकार और राधा यादव।

दक्षिण अफ्रीका महिला : लॉरा वोलवार्ट (कप्तान), तेजमिन ब्रिट्स, मीके डि रिडर, सिनालो जाफ्ता, एनेके बॉश, नादिन डि क्लार्क, एनेरी डर्कसेन, मारिजेन कैप, सुने लुस, क्लो ट्रायोन, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, एलिज-मारी मार्क्स, नोनकुलुलेको मलाबा और तुमी सेखुखुने।

कैटरेक्ट के शुरुआती लक्षणों को ना करें इग्नोर

कैटरेक्ट में आंखों के नेचुरल लेंस में क्लाउडिंग होने लगती है। इसकी वजह से स्पष्ट रूप से देखने में कठिनाई होती है। लापरवाही से गंभीर दृष्टि दोष और अंधापन भी हो सकता है। ऐसे में समय रहते उपचार आवश्यक है।

प्रिकॉशन
डॉ. संजीव तनेजा
नेत्र रोग विशेषज्ञ
अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, नई दिल्ली

मोतियाबिंद या कैटरेक्ट, आंखों की एक आम समस्या है। अगर समय रहते इसका इलाज ना किया जाए तो यह समस्या गंभीर दृष्टिदोष और अंधेपन का कारण बन सकती है। इसके कारण आंखों के लेंस में धुंधलापन आ जाता है, जिससे दृष्टि पर बुरा असर पड़ता है। अकसर मोतियाबिंद की समस्या, बढ़ती उम्र के लोगों में देखने को मिलती है। लेकिन अब यह समस्या केवल वृद्ध लोगों में ही नहीं बल्कि 40 से 50 वर्ष की आयु के लोगों में भी देखी जाती है। धुंधलेपन के कारण कई लोगों में पढ़ना, लिखना, टीवी देखना, गाड़ी चलाना और अन्य कई दैनिक गतिविधियों में बाधा आने लगती है। इसलिए आंखों में धुंधलेपन की समस्या हो तो तुरंत किसी नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है।

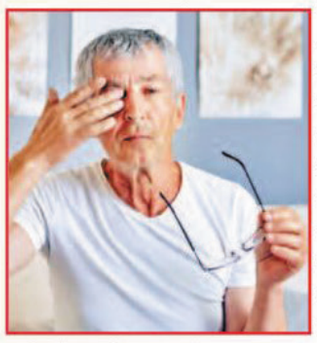

रोग का कारण: उम्र का बढ़ना मोतियाबिंद का प्राथमिक कारण है। उम्र बढ़ने के साथ, आंख के लेंस में मौजूद प्रोटीन आपस में मिलकर मोतियाबिंद की परत बना देते हैं। समय के साथ जैसे-जैसे मोतियाबिंद बढ़ता है, लेंस ज्यादा अपारदर्शी या धुंधला हो जाता है। इससे व्यक्ति की दृष्टि कमजोर हो सकती है। यह आमतौर पर धीरे-धीरे विकसित होता है। हालांकि इसकी दर सभी व्यक्तियों में अलग-अलग हो सकती है। उम्र के अलावा मधुमेह, धूम्रपान, शराब, लंबे समय तक धूप में रहने और दवाओं के अधिक सेवन के कारण भी कैटरेक्ट का खतरा बढ़ता है।

मोतियाबिंद के लक्षण: आंखों में धुंधलापन, कम रोशनी में देखने में दिक्कत होना, तेज रोशनी के प्रति संवेदनशीलता, स्पष्ट रूप से देखने में कठिनाई, रंग फीका या पीला दिखाई देना, ये कैटरेक्ट के प्रमुख लक्षणों में शामिल हैं।

उपचार का तरीका: मोतियाबिंद के निदान की पुष्टि करने के लिए व्यापक नेत्र परीक्षण करवाना जरूरी है। कैटरेक्ट का पता चलते ही उपचार शुरू करना चाहिए क्योंकि इस स्थिति की उपेक्षा करने से आगे और जटिलताएं हो सकती हैं, जिससे सर्जरी मुश्किल हो सकती है। इससे रिकवरी और उपचार बहुत धीमा हो सकता है। मोतियाबिंद के परिपक्व होने या पकने का इंतजार करने से ना केवल आपकी दृष्टि लंबे समय तक प्रभावित होगी, बल्कि सर्जरी और रिकवरी में भी अधिक समय लग सकता है। प्रभावित लेंस को हटाने या बदलने के लिए सर्जरी जैसे तत्काल उपचार के बिना, कैटरेक्ट परमानेंट विजन लॉस का कारण बन सकता है। शुरुआती मोतियाबिंद के लक्षणों को चश्मे का उपयोग करके या चश्मे की पावर बदलकर प्रबंधित किया जा सकता है। सर्जरी, धुंधले लेंस को हटाने और डॉक्टर द्वारा सुझाए गए कृत्रिम लेंस लगाने में मदद करती है। कैटरेक्ट, को हटाने की आवश्यकता तब होती है, जब दृष्टि हानि के कारण आपके लिए पढ़ना और गाड़ी चलाना जैसी गतिविधियां करना मुश्किल हो जाता है।

बरतें सावधानी: मोतियाबिंद से बचाव के लिए आप अपनी जीवनशैली में कुछ बातों पर अमल कर सकते हैं। धूप का चश्मा पहनें, धूम्रपान छोड़ें, हरी पत्तेदार सब्जियां और एंटीऑक्सीडेंट्स युक्त खाद्य पदार्थ जैसे गाजर, जामुन, केला, खुबानी, कद्दू और नट्स आदि का सेवन करें। इससे आंखों को स्वस्थ रखने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही नियमित रूप से आंखों की जांच करवाते रहने से कैटरेक्ट के शुरुआती लक्षणों को पहचान कर उपचार कराया जा सकता है। *

प्रस्तुतिः सेहत डेस्क

बारिश के मौसम में माइक्रोब्स से संक्रमण की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। खासतौर पर पाचन संबंधी समस्याएं अधिक होती हैं। इनसे बचाव के लिए आपको अपने खान-पान में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। कौन सी हैं वो सावधानियां, यहां बता रहे हैं विस्तार से।

तब बारिश के मौसम में पाचन-तंत्र रहेगा सही

डॉक्टर एडवाइस
डॉ. मोहसिन वली
जनरल फिजीशियन
सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली

हर मौसम के अनुकूल खान-पान हमारी सेहत के लिए फायदेमंद है। खासकर बारिश के मौसम में यह काफी मायने रखता है। इस मौसम में अधिकतर लोगों के लिए हेल्दी और फिट रहना काफी चुनौतीपूर्ण हो जाता है। नमी और उमस भरे वातावरण से हवा में कई तरह के वायरस और बैक्टीरिया पनपते हैं, जो ध्यान ना देने पर खाद्य पदार्थों को विषाक्त कर देते हैं। ऐसी चीजों के सेवन से ये कीटाणु, शरीर मे पहुंच जाते हैं। इससे पाचन तंत्र गड़बड़ा जाता है और प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है। इससे अपच, दस्त, पेचिश, हैजा, आंत्र शोथ जैसी पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में मानसून के सुहाने मौसम को आप खुलकर एंजॉय करना चाहते हैं, तो अपने खान-पान और रहन-सहन का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। सही खान-पान जहां आपको फिट और हेल्दी रहने में अहम भूमिका निभाता है, वहीं रहन-सहन की अच्छी आदतें, कई तरह के संक्रमणों से बचाव करती हैं।

खान-पान में बरतें सावधानी: बरसात के मौसम में बीमारियों से बचने के लिए, हेल्दी डाइट लेनी चाहिए। बाहर का खाना खाने के बजाय, घर का बना ताजा खाना ही खाना चाहिए। घर पर बना हुआ खाना भी 3 घंटे से ज्यादा देर से अगर रखा है, तो खाने से बचना चाहिए। क्योंकि इस मौसम में खाने में बैक्टीरिया तेजी से विकसित होते हैं, जो पेट संबंधी इंफेक्शन की बड़ी वजह बनते हैं।

लाइट फूड लें: इस मौसम में पूरे दिन में 3 हैवी मील में भरपेट भोजन करने के बजाय तकरीबन 2 घंटे के अंतराल पर लाइट मील्स लें। इसमें फ्रूट्स, ड्राई फ्रूट्स, स्नैक्स, सूप जैसे हल्के और पौष्टिक आहार लें। ध्यान रखें कि भूख हो, तभी खाएं। वरना अपच, पेट में संक्रमण और पीलिया जैसी बीमारियां होने का खतरा रहता है।

हल्का-सुपाच्य भोजन करें: बरसात के मौसम में हल्का, सुपाच्य, संतुलित आहार का सेवन करें। गेंहू, मक्का, जौ, बाजरा जैसे साबुत सूखे अनाज और मूंग, चना जैसी दालों को शामिल करना बेहतर है। प्रोटीन, लौह और मैगनीशियम युक्त इन खाद्य पदार्थों के सेवन से वॉटर रिटेंशन कम होता है और शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार होता है।

फल-सब्जियां: अपने आहार में मौसमी फल-सब्जियों को ज्यादा से ज्यादा शामिल करें। घिया, तोरई, टिंडा, भिंडी, फ्रेंच बींस जैसी हल्की और सुपाच्य सब्जियों का सेवन करें। करेला, मूली जैसी कड़वी तासीर वाली सब्जियां संक्रमण से बचाती हैं। ताजे फलों का ही सेवन करें। जामुन, मौसंबी, अमरूद, आंवला, नाशपाती, आलू बुखारा, पपीता जैसे विटामिन-सी से भरपूर फल शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकालने और संक्रमण से बचाव कर हमारी रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं। मुरझाए हुए, दागी, कटे-फटे या ढीले-गले हुए फल खाने से बचें, क्योंकि ऐसे फल विषाक्त हो जाते हैं और आपकी पाचन प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं। विषाक्त फल खाने से बचने के लिए छीलकर खाएं। इस मौसम में तरबूज, खरबूजा जैसे जलीय फल ना खाएं। नम प्रकृति के कारण इनमें बैक्टीरिया होने की संभावना अधिक होती है।

उपयोगी मसाले: इस दौरान अपने भोजन में अदरक, लहसुन, पुदीना, धनिया, काली मिर्च, हल्दी, हींग, मेथी दानों, जायफल, तुलसी, बड़ी इलायची, सौंफ, अजवायन, करी पत्ता जैसे मसालों का उपयोग करें। ये पाचन शक्ति बढ़ाने में उपयोगी हैं।

प्रोबायोटिक फूड: गट में गुड बैक्टीरिया को बढ़ाने के लिए प्रोबायोटिक फूड्स को आहार में शामिल करें। इसके लिए घर पर बने दही और सेंधा नमक, अजवायन, जीरा मिलाकर नमकीन लस्सी का सेवन कर सकते हैं। ध्यान रखें कि दही फ्रिज में रखा ठंडा ना हो। खाने से करीब 15 मिनट पहले फ्रिज से बाहर निकाल लें।

पिएं स्वच्छ-शुद्ध पानी: इस मौसम में पेयजल की शुद्धता का विशेष ध्यान रखें। घर में चाहे एक्वागार्ड या आरओ लगा हो या जल बोर्ड का पानी आता हो। बेहतर होगा कि पानी को कम से कम 2-3 मिनट तक उबालें। ठंडा होने पर छानकर ही इस्तेमाल करें। या फिर 20 लीटर पानी में 500 मिलीग्राम क्लोरीन की गोली मिलाकर पानी साफ करें। तांबे या चांदी के बर्तन में पानी पीना फायदेमंद है। इससे कीटाणुओं का नाश होता है और पानी भी स्टर्लाइज होता है। कोशिश करें, फ्रिज का ठंडा पानी इस मौसम में ना पिएं।

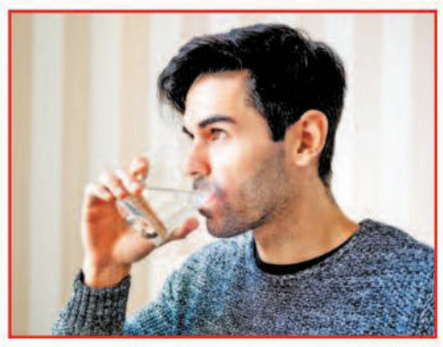

सूप-काढ़ा है फायदेमंद: शरीर को डिटॉक्स करने के लिए इस मौसम में लिक्विड डाइट अधिक लें। वेजिटेबल सूप, अदरक, तुलसी, काली मिर्च की चाय या काढ़ा जैसे पेय लें। हर्बल या ग्रीन टी, कॉफी जैसे गर्म पेय और रात को सोने से पहने गोल्डन मिल्क या हल्दी वाला गर्म दूध भी ले सकते हैं। इनमें मौजूद विटामिंस और मिनरल्स बारिश के मौसम में आपकी इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं।

रखें साफ-सफाई: भोजन बनाते समय सफाई का विशेष ध्यान रखें। बाजार से लाए गए फल-सब्जियों को नमक मिले गुनगुने पानी या सिरका मिले पानी से अच्छी तरह धोने के बाद ही इस्तेमाल करें। ताकि इनमें मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया खत्म हो सकें और हमारे स्वास्थ्य को किसी तरह का नुकसान ना हो। इस मौसम में संक्रमण से बचने के लिए हाइजीन का खास ख्याल रखें। छींकने-खांसने के बाद, खाना पकाने से पहले और भोजन करने से पहले हाथों को साबुन और पानी से साफ करें। वॉशरूम यूज करने के बाद या फिर बाहर से घर में आने पर हाथों को जरूर धोएं। *

इनसे करें परहेज

बारिश के मौसम में पकौड़े और समोसे आदि खाने में बहुत मजा आता है लेकिन इनकी वजह से ब्लोटिंग यानी पेट फूलने की समस्या हो सकती है। ऑयली या फ्राइड फूड्स खाने के बजाय ग्रिल्ड और तंदूरी आहार खाएं। ऑयल कम इस्तेमाल होने के कारण इनके सेवन से पाचन संबंधी समस्याएं कम होती हैं। फ्राइड खाना बनाने के लिए सरसों, मूंगफली और तिल जैसे हैवी ऑयल के बजाय सोयाबीन, ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल करें। हैवी ऑयल पित्त बढ़ाने के अलावा शरीर को कमजोर बनाते हैं। बरसात के मौसम में इंफेक्शन से बचने के लिए आइसक्रीम, कुल्फी, जूस, मिल्क शेक जैसी ठंडी चीजों के सेवन से बचें। इनके अलावा मीट, मछली, चिकन जैसे मांसाहारी पदार्थों से भी परहेज करें। इनमें बैक्टीरिया बहुत जल्दी पनपते हैं। बहुत जरूरी हो तो पकाने से पहले अच्छी तरह साफ करें और पूरी तरह पके हुए नॉनवेज ही खाएं।

प्रस्तुतिःरजनी अरोड़ा

हर्बल जोन / रेखा देशराज

स्वादयुक्त-स्वास्थ्यवर्धक सोया

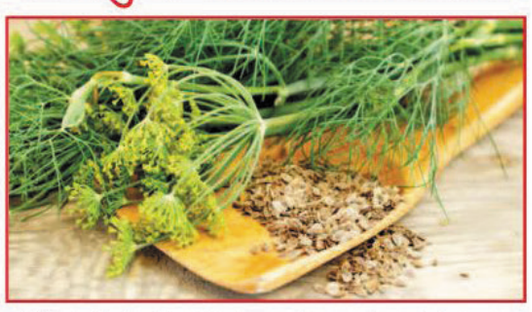

हालांकि सोया को स्वादिष्ट भाजी के रूप में अधिकतर स्थानों पर खाया जाता है, लेकिन इसका हर हिस्सा स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है। इसकी वजह इसमें मौजूद पौष्टिक तत्व होते हैं। 100 ग्राम सोया में 43 कैलोरी पाई जाती हैं। इसमें 1.1 ग्राम वसा होता है, 0 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है, 61 मिलीग्राम सोडियम, 738 मिलीग्राम पोटैशियम, 7 ग्राम कार्बोहाइड्रेट और 3.5 ग्राम प्रोटीन पाई जाती है। पौष्टिकता से भरपूर इन तत्वों के कारण सोया (एनेथम ग्रेवोलेंस) को स्वास्थ्यवर्धक बूटी माना जाता है। इसके पौधे की ऊंचाई आमतौर पर 16 से 24 इंच होती है। कुछ प्रजातियों की ऊंचाई 4 से 8 इंच तक ही होती है। सोया के पौधे में पीले और सफेद रंग के फूल आते हैं और इन्हीं फूलों के अंदर बाद में बीज बनते हैं। सोया की सूखी पत्तियां भी जड़ी-बूटी के रूप में इस्तेमाल होती हैं। इसकी सब्जी खाने से मेटाबॉलिज्म में सुधार होता है। ब्लोटिंग की समस्या नहीं होती और पेट में एसिडिटी और गैस से छुटकारा तो मिलता ही है।

बीज भी होते हैं फायदेमंद: सोया को अंग्रेजी डिल कहते हैं। इसके बीज भी ना सिर्फ स्वादिष्ट बल्कि अनगिनत पौष्टिक तत्वों से भरे होते हैं। इसलिए आयुर्वेद में सोया की पत्तियों और इसके बीजों को औषधियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। ये पाचन क्रिया में सुधार करते हैं, प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं, रक्तचाप को नियंत्रित करते हैं। आजकल शहरों में ज्यादातर लोग अपनी बेतरतीब लाइफस्टाइल के कारण खराब पाचन तंत्र से परेशान रहते हैं। सोया के बीज इस समस्या से छुटकारा दिलाते हैं। इसके बीज गैस, एसिडिटी और कब्ज जैसी सामान्य समस्याओं से छुटकारा दिलाते हैं। ये हमारी हड्डियों को भी मजबूत बनाते हैं। दरअसल सोया के बीजों में भरपूर मात्रा में कैल्शियम होता है, जिससे हड्डियों के घनत्व को ये बचाकर रखते हैं। इम्यूनिटी बूस्टर के रूप में भी सोया के बीजों की ख्याति है। साथ ही ये डायरिया जैसी बीमारी में भी कारगर हैं, क्योंकि इसके बीजों में फ्लेवोनोइड्स और मोनोटेरपीन पाया जाता है, ये दोनों ही चीजें शक्तिशाली एंटीबैक्टीरियल एजेंट का काम करती हैं। अगर कोई व्यक्ति अनिद्रा से पीड़ित है तो उसे भी सोया के बीज फायदा पहुंचाते हैं, क्योंकि इसके बीजों में विटामिन-बी होता है, जो शरीर को आराम देता है और नींद में मददगार होता है। जिन लोगों के मुंह से दुर्गंध आती हो, मितली उल्टी की समस्या हो, उनके लिए भी यह एक बेहतरीन घरेलू उपचार है। हाई ब्लड प्रेशर की समस्या में भी सोया फायदेमंद है। लेकिन ध्यान रखें कि बिना किसी अनुभवी वैद्य या आयुर्वेद विशेषज्ञ की सलाह के सोया के बीज ना खाएं, क्योंकि इसके कुछ नुकसान भी हो सकते हैं। *

योगोपचार
दिव्यज्योति 'नंदन'

स्वस्थ दिमाग के लिए नियमित करें भुजंगासन

हालांकि हर आसन का शरीर पर बहुत लाभदायक प्रभाव पड़ता है। लेकिन कुछ आसन ऐसे हैं, जिनके अभ्यास से अनेक शारीरिक लाभों के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। भुजंगासन ऐसा ही आसन है। इसकी विधि और लाभों के बारे में जानिए।

योग से मानसिक-शारीरिक दोनों स्वास्थ्य बेहतर होते हैं। जहां तक योग से अपने मानसिक स्वास्थ्य को दुरुस्त रखने की बात है, तो इसमें कोबरा पोज या भुजंगासन विशेष रूप से फायदेमंद हैं। चूंकि यह आसन करने से रक्तप्रवाह बढ़ता है और दिमाग की कार्यक्षमता में सुधार होता है। इसलिए भुजंगासन, मानसिक स्वास्थ्य के लिए सबसे शानदार माना जाता है। हालांकि भुजंगासन के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए योग गुरु उत्तानासन योग के नियमित अभ्यास का भी सुझाव देते हैं।

आसन की विधि: भुजंगासन करने का सही तरीका यह है कि किसी समतल और शुद्ध हवा वाली जगह पर चटाई या अपना योगा मैट बिछाकर सबसे पहले पेट के बल लेट जाएं। इसके बाद अपनी हथेलियों को कंधे की चौड़ाई से अलग जमीन पर रखें और दोनों पैरों के तलवों को ऊपर की ओर रखें। साथ ही अब पैरों के अंगूठों को आपस में मिलाएं। इस दौरान खूब गहरी सांसें लें और धीरे-धीरे सिर को ऊपर उठाएं। सिर को ऊपर उठाने के साथ गर्दन को भी ऊपर उठाएं और फिर सीने को और फिर पेट को क्रमशः धीरे-धीरे ऊपर उठाने की कोशिश करें।

शुद्ध रूप से भुजंगासन करने की कसौटी यह है कि जब हम सिर और गर्दन धीरे-धीरे ऊपर उठाते हैं और फिर छाती से लेकर पेट तक को क्रमशः ऊपर उठाते चले जाते हैं, तो सिर से नाभि तक के हिस्से को ही आसन के दौरान ऊपर उठाना चाहिए। जबकि नाभि के नीचे से पैरों की उंगुलियों तक का भाग जमीन से बिल्कुल सटा रहना चाहिए। जब शरीर के अग्र भाग को ऊपर उठाएं तो इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि ये दोनों बाजुओं के सहारे ही ऊपर उठें। इस दौरान कोहनियां नहीं मुड़ी होनी चाहिए।

ऊपर की ओर देखने की कोशिश: भुजंगासन करते हुए लगातार ऊपर की ओर देखने की कोशिश करनी चाहिए। लेकिन हां, जितनी देर आसानी से हो सके, ऊपर की ओर उतनी ही देर देखने की कोशिश करनी चाहिए। अगर ज्यादा देर तक ऊपर की ओर देखना संभव ना हो तो जबरदस्ती कोशिश नहीं करनी चाहिए। गहरी सांसें लें और फिर धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए पहले पेट, फिर छाती और सबसे बाद में सिर को भी वापस जमीन पर ले आएं।

और भी हैं फायदे: भुजंगासन का अभ्यास करने के फायदे और भी बहुत हैं। जैसे- नियमित रूप से यह आसन किए जाने से कंधों की जकड़न और पेट की चर्बी का नामो-निशान नहीं रहता। सांसों से संबंधित समस्याएं दूर होती हैं और शरीर अच्छी तरह से डिटॉक्स हो जाता है। इसके अलावा हमारा पाचन बेहतर होता है, लिवर मजबूत होता है, किडनी को अपने कार्य करने में आसानी होती है। इससे किडनी की कार्यक्षमता बेहतर होती है। यह आसन विशेषकर रीढ़ की हड्डी के लिए भी रामबाण होता है। छाती और फेफड़ों को, कंधों और पेट की मांसपेशियों के लिए भी यह बहुत लाभदायक है।

ये लोग ना करें: गर्भवती महिलाओं, मेरूदंड के रोग से पीड़ित, हर्निया, अल्सर या कोलाइटिस जैसी बीमारियों से ग्रस्त लोगों को इस को इस आसन से दूर रहना चाहिए। *

रखें ध्यान

भुजंगासन देखने में भले सरल आसन लगता हो, लेकिन यह काफी सख्त आसन है। भुजंगासन करते समय शरीर को अपनी शारीरिक क्षमताओं के मुताबिक ही तानें, क्योंकि शरीर को बहुत ज्यादा मोड़ना भी हानिकारक हो सकता है, खासकर तब जब ऐसा करने में दिक्कत हो। भुजंगासन सही से करते समय इस बात का ध्यान जरूर रखना चाहिए कि इस दौरान कोहनियां बंद ना हों, कोहनी हमेशा मुड़ी होनी चाहिए। शुरुआत में सिर्फ 30 सेकेंड तक ही कोबरा पोज में रहें। फिर जैसे-जैसे शरीर को सुकून महसूस हो, इसे क्रमशः बढ़ाकर 1 मिनट तक किया जा सकता है। इससे ज्यादा देर तक करने से परहेज करना चाहिए और 4 से 5 बार पोज दोहराना चाहिए। लेकिन शुरू में 2 से 3 बार ही काफी होता है।

हेल्थ सजेशन
मधु सिंह

जब रात में ना आए नींद

आज की बिजी लाइफस्टाइल, टेंशन और वर्क प्रेशर की वजह से कई लोग रात में गहरी नींद सो नहीं पाते हैं। अगर आप भी ऐसी समस्या का सामना कर रहे हैं तो यहां बताए जा रहे कुछ सरल उपाय आपके लिए कारगर हो सकते हैं।

विभिन्न अध्ययन और सर्वेक्षण इस बात की तस्दीक करते हैं कि हमारे लिए प्रतिदिन 8 घंटे की नींद लेना जरूरी है। नींद का मतलब गहरी नींद में सोना होता। इसका हमारे स्वास्थ्य पर गहरा असर होता है। हमारे शरीर के अंग सुचारु रूप से काम करते हैं और हम अपने वर्क परफॉर्मेंस पर अच्छी नींद की बदौलत ही फोकस कर पाते हैं।

नींद ना आने के कारण: आजकल करियर और पढ़ाई का बढ़ता दबाव हमारी बॉडी क्लॉक पर बुरा असर डाल रहा है। डेडलाइन का प्रेशर, वर्क फ्रॉम होम के कारण हमारी नींद बुरी तरह बाधित होती है, जिससे हमारी बॉडी क्लॉक में विघ्न पड़ता है। इन सबका हमारी नींद की साइकिल पर बुरा असर पड़ता है। देर रात तक मोबाइल चलाना, टीवी देखना और आने वाले दिन की चिंता के कारण रात में नींद अच्छी तरह से नहीं आती। अगर आपके साथ भी ऐसा हो तो हम आपको कुछ सिंपल हैक्स बता रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप अच्छी नींद ले सकते हैं।

मेडिटेशन करें: रात को सोने से पहले ऑनलाइन या हेल्थ एक्सपर्ट से सलाह लेकर मेडिटेशन करें। इसके लिए आजकल कई मेडिटेशन एप्स भी हैं, जो काफी कारगर तरीके बताते हैं, जिससे हमारी नींद का सर्कल बना रहता है। इसके तहत कई ऐसी एक्सरसाइज बताई जाती हैं, जिसमें आप अपने श्वास लेने की प्रक्रिया को नियंत्रित करते हैं और दिलो-दिमाग में शांति महसूस करते हैं।

सोने से पहले स्नान करें: सोने से पहले अच्छी तरह पैरों को धोना, पैरों को ठंडे पानी में थोड़ी देर भिगोकर रखना, स्नान करना, इससे हमारे शरीर को आराम मिलता है और हमें जल्दी और गहरी नींद आती है। यह काफी कारगर ट्रिक है। हालांकि अच्छी नींद के लिए स्नान करना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक माना जाता है, लेकिन हम अकसर इसमें आलस करते हैं और ऐसा नहीं कर पाते।

म्यूजिक सुनें: अपनी पसंद के गाने और इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक की एक प्ले लिस्ट तैयार करें और रात को सोने से पहले कमरे की लाइट बुझाकर उसे सुनें। लेकिन म्यूजिक ऐसा होना चाहिए, जो आपको जल्दी दिली सुकून दे और आप आराम महसूस कर सकें।

पॉडकास्ट सुनें: पॉडकास्ट में थीम सॉन्ग्स सुने जा सकते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य है, जिस समय आप सोने की प्रक्रिया में हो तो आपके इर्द-गिर्द ऐसी आवाजें हों, जिनसे आपको दिली सुकून मिले। ये कोई पॉडकास्ट भी हो सकता है, किसी का भाषण या पक्षियों और प्रकृति से जुड़ी आवाजें, जो आपको सुकून-शांति दें।

वातावरण को सुगंधित बनाएं: रात को बिस्तर पर जाने से पहले कमरे के माहौल को खुशनुमा बनाएं, जिससे आपको अच्छी नींद आए। इसके लिए सबसे आसान उपाय है कि आप सुगंधित अगरबत्ती जलाएं और घर में एक अच्छा माहौल बनाकर रखें, ताकि घर का वातावरण खुशनुमा रहे।

वर्कस्टेशन अलग रखें: अगर आप वर्क फ्रॉम होम करते हैं तो हो सकता है आप अपने बेडरूम में ही दिन के समय काम करें और इसके बाद आप वहीं सो जाएं। लेकिन यह कोई अच्छी बात नहीं है। अच्छी नींद के लिए आपके आस-पास का वातावरण बोझिल नहीं होना चाहिए। वहां का माहौल ऐसा हो, जो आपको शारीरिक और मानसिक शांति प्रदान करे।

यहां बताए गए तमाम उपाय आपको रात में अच्छी और गहरी नींद से सोने में काफी मददगार साबित हो सकते हैं। *

कांग्रेस सांसद टैगोर की पाती लोकसभा स्पीकर के नाम

संसदीय कार्यवाही से राहुल के भाषण हटाए तो कांग्रेस ने मांग की पीएम और अनुराग के भाषण से हटाए जाएं 'असत्य कथन'

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर विपक्ष के नेता राहुल ने जो कहा कुछ हिस्सा कार्यवाही से निकाला गया था

ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रपति अभिभाषण पर जवाब देते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जो कुछ कहा उसका कुछ हिस्सा कार्यवाही से निकालने का आदेश स्पीकर की ओर से दिया गया तो अब कांग्रेस पार्टी के सांसद मणिक्कम टैगोर ने ओम बिरला को पत्र लिखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के भाषण के अंशों का जिक्र करते हुए उसे पूरी तरह गलत बताते हुए संसदीय कार्यवाही से निकाले जाने की मांग की है।

लोकसभा में राहुल गांधी के भाषण पर आपत्ति दर्ज करते हुए बांसुरी स्वराज ने उनके कहे को असत्य ठहराया तो संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने कहा था, कोई भी सदस्य अगर सदन को तथ्यों के आधार पर गुमराह करने की कोशिश करेगा तो वो कुछ भी कहकर भाग नहीं सकेंगे, विधायी रूल्स की कसौटी पर कथन को कसा जाएगा। इसी को आधार बनाते हुए अब बारी है कांग्रेस पार्टी की सो मणिक्कम टैगोर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अनुराग ठाकुर के भाषण के अंश को जिक्र करते हुए उसे असत्य बताया और लोकसभा स्पीकर से निवेदन किया कि उन

दोनों के खिलाफ भी रूल लागू किए जाएं। उनके कथित तौर पर असत्य कथन को कार्यवाही से निकाला जाए। मणिक्कम टैगोर ने अनुराग ठाकुर के सदन में दिए गए भाषण के अंश का जिक्र करते हुए लिखा है कि उन्होंने दावा किया था कि 2014 में भाजपा के सत्ता में आने से पहले भारतीय सेना के पास न तो फाइटर जेट थे न उपयुक्त मात्रा में हथियार थे। कांग्रेस सांसद ने कहा ये पूरी तरह झूठ है। भारतीय सेना के पास 2014 के पहले से ही जगुआर, मिराज 2000, मिग 29, एसयू 30 जैसे फाइटर जेट्स थे। अग्नि, पृथ्वी, आकाश, नाग, त्रिशूल और ब्रह्मोस जैसे मिसाइलों से लैस भारतीय सेना के पास न्यूक्लियर बम भी पहले से था। मणिक्कम टैगोर ने उनके उस कथन को भी गलत ठहराया जिसमें दावा किया गया था कि पिछले दस सालों में देश में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ गए। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ सांसदों में शुमार मणिक्कम टैगोर ने अपने पत्र में लोकसभा स्पीकर का ध्यान प्रधानमंत्री के भाषण की ओर खींचते हुए लिखा, प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति अभिभाषण पर जवाब देते हुए सदन के अंदर कहा कि कांग्रेस पार्टी का 16 राज्यों में वोट प्रतिशत नीचे गिरा है। उन्होंने लिखा कि ये वक्तव्य पूरी तरह गलत है। कांग्रेस सांसद ने लिखा कि कांग्रेस पार्टी का वोट प्रतिशत हिमाचल, उत्तराखंड, कर्नाटक और तेलंगाना में बढ़ा है। साथ ही टैगोर ने आरोप लगाया कि सदन के अंदर ये भ्रांति फैलाने की कोशिश की गई कि कांग्रेस पार्टी ने 8500 रुपए महीना महिलाओं को देने का झूठा वादा चुनाव में किया। जब कि सच ये है कि कांग्रेस पार्टी ने सत्ता में आने के बाद उक्त रकम भुगतान करने की बात कही थी। टैगोर ने कहा, मुझे स्पीकर के जवाब की प्रतीक्षा है।

खबर संक्षेप

एक्टर दर्शन की कस्टडी 18 जुलाई तक बढ़ी

बेंगलुरु। मर्डर केस के आरोपी कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीपा, उनकी मित्र पवित्रा गौड़ा और अन्य

की न्यायिक हिरासत बेंगलुरू कोर्ट ने बढ़ा दी है। कोर्ट ने अभिनेता सहित अन्य आरोपियों की कस्टडी 18 जुलाई तक बढ़ाई है। दर्शन रेणुकास्वामी हत्या मामले में आरोपी हैं। सभी 17 आरोपियों की न्यायिक हिरासत समाप्त होने पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेश किया गया।

5.85 लाख के मादक पदार्थ समेत एक अरेस्ट

ठाणे। जिले में 45 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके पास से 5.85 लाख रुपए मूल्य का

मादक पदार्थ मेफेड्रोन बरामद किया गया है। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए नवी मुंबई पुलिस के मादक पदार्थ निरोधक प्रकोष्ठ के दल ने सुबह शिल-फाटा के पास से गिरफ्तार किया था। पुलिस ने आरोपी के पास से 58.5 ग्राम मेफेड्रोन बरामद किया है।

अरुणाचल प्रदेश में मिला सींग वाला विचित्र मेंढक

ईटानगर। भारत के पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश में मेंढक की नई प्रजाति मिली है। इसके सींग है।

प्रदेश के टेल वन्यजीव अभयारण्य के जंगलों में यह मेंढक पाया जाता है। प्राणी सर्वेक्षण के विज्ञानियों ने इसे खोजा है। मेंढक का नाम स्थानीय जनजाति अपतानी के नाम पर जेनोफ्रीस अपतानी रखा गया है। इस टीम के लीडर बिक्रमजीत सिन्हा और भास्कर साइकिया थे।

1.15 करोड़ की धोखाधड़ी का फरार आरोपी गिरफ्तार

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में कई लोगों को मकान दिलवाने का वादा कर 1.15 करोड़ रुपये की

धोखाधड़ी करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। 30 वर्षीय आरोपी मार्च से फरार था। विभिन्न सुरागों के आधार पर मंगलवार को आरोपी को वसई इलाके के वागरालपाड़ा से पकड़ा गया। आरोपी ने अगस्त 2020 से मार्च 2024 तक लोगों से रुपए लिए थे।

नीट-यूजी पास कर चुके छात्र पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। गुजरात के नीट-यूजी पास कर चुके 56 छात्रों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

छात्रों ने शीर्ष कोर्ट से केंद्र सरकार और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी को परीक्षा रद्द करने से रोकने का निर्देशकी मांग की है। याचिका दायर करने वालों में कई उम्मीदवार फर्स्ट पोजिशन पर रहे हैं। छात्रों ने पेपर लीक में शामिल छात्रों और अन्य लोगों की जांच की मांग की है।

लोकसभा में राहुल के दावों पर भड़के केंद्रीय मंत्री रिजिजू

सदन को गुमराह करने का प्रयास करने वाला कोई भी 'सदस्य' बच नहीं पाएगा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के दावों पर अब संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू भड़के। उन्होंने गांधी के भाषण में कथित गलतियों को लेकर भाजपा द्वारा उनके खिलाफ नोटिस सौंपे जाने के एक दिन बाद कहा कि सदन को गुमराह करने का प्रयास करने वाला कोई भी सदस्य आसानी से बच नहीं पाएगा।

रिजिजू लोकसभा में भाजपा सदस्य बांसुरी स्वराज के नोटिस का जिक्र कर रहे थे। स्वराज ने मंगलवार को लोकसभा में एक नोटिस दिया था, जिसमें सदन में विपक्ष के नेता के राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर दिए भाषण में कथित गलतियों का उल्लेख किया गया है। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से राहुल के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। इस मुद्दे पर पूछ गए सवालों के जवाब में रिजिजू ने कहा कि जब लोकसभा में विपक्ष के नेता तथ्यों और आंकड़ों सहित कई चीजों के बारे में झूठ बोलते रहे, तो अध्यक्ष को नोटिस दिया गया और हमने अध्यक्ष से उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया। फिलहाल हम कार्रवाई का इंतजार है।

अग्निवीर योजना को लेकर राहुल ने 'जान-बूझकर' गलत बयान दिया

'अग्निवीरों की शहादत' पर मुआवजा नहीं देने का मामला

स्वराज ने स्पीकर बिरला को दिया नोटिस

यह है नियम लोकसभा का 115

स्पीकर के निर्देश 115 के तहत अगर कोई सदस्य किसी मंत्री या किसी अन्य सदस्य की ओर से दिए गए बयान में कोई गलती या अशुद्धि बताना चाहता है, तो वह सदन में मामले को उठाने से पहले अध्यक्ष को चिट्ठी लिखकर गलती या अशुद्धि का ब्योरा दे सकता है और मुद्दे को उठाने की इजाजत मांग सकता है। आरोप लगाने वाले सदस्य के पास अगर उसके आरोपों के समर्थन में कोई सबूत हैं तो वह उसे भी स्पीकर के सामने रख सकता है। इस आधार पर स्पीकर वास्तविक स्थिति का पता लगाने के लिए इस मामले को संबंधित मंत्री या सदस्य के संज्ञान में ला सकते हैं।

राहुल के बयान तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामकः बांसुरी स्वराज

बांसुरी स्वराज के नोटिस के अनुसार लोक सभा में विपक्ष के नेता के संबंधित बयान तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक प्रकृति के हैं, इसलिए नियम 115 के तहत उचित कार्यवाही शुरू की जानी चाहिए। इस वजह से मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि राहुल गांधी की ओर से जान-बूझकर की गई गलतियों का संज्ञान लें और आवश्यक कार्यवाही करें।

बांसुरी ने गिनाई राहुल की 'गलतियां'

बांसुरी ने दावा किया है कि अग्निवीर योजना को लेकर राहुल ने 'जान-बूझकर' तथ्यात्मक रूप से गलत बयान दिया और 'झूठ' कहा कि अग्निवीरों की शहादत पर उन्हें मुआवजा देने का कोई प्रावधान नहीं है।

नियम सभी के लिए समान रूप से लागू होंगे

मंत्री ने कहा कि नियम सभी पर समान रूप से लागू होते हैं क्योंकि सदन में कोई भी सदस्य आसन से ऊपर नहीं होता है। उन्होंने कहा कि कोई भी बचने की उम्मीद नहीं कर सकता। किसी के लिए कोई विशेष विशेषाधिकार नहीं है। वे किसी एक परिवार से आते हैं, इसलिए बच जाएंगे तो ऐसा नहीं होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यदि कोई सदन को गुमराह करने के लिए पद का दुरुपयोग करना चाहता है, तो वह आसानी से बच नहीं पाएगा। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर सोमवार को राहुल के भाषण के बाद केंद्रीय मंत्रियों अश्विनी वैष्णव और रिजिजू ने कांग्रेस नेता पर अग्निपथ योजना और अयोध्या में स्थानीय लोगों को दिए गए मुआवजे सहित कई मुद्दों के बारे में झूठे दावे करने का आरोप लगाया था। इसी पर कार्यवाही की मांग की है।

नए क्रिमिनल लॉ पर केंद्र ने हाई कोर्ट से कहा

यह संसद का अधिकार, मौलिक अधिकारों को प्रभावित नहीं करते

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट के समक्ष तीन नए आपराधिक कानूनों के हिंदी नामकरण का बचाव किया और असंवैधानिकता के आरोपों के विरुद्ध नामों की संवैधानिक वैधता पर जोर दिया।

एक्टिंग चीफ जस्टिस आर महादेवन और जस्टिस मोहम्मद शफीक की पीठ के समक्ष यह दलील दी गई, जिन्होंने नए कानूनों के हिंदी नामों को असंवैधानिक घोषित करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई की। थूथुकुडी स्थित अधिवक्ता बी रामकुमार आदित्यन ने इसको लेकर याचिका दायर की थी। उन्होंने तर्क दिया कि नए कानूनों के हिंदी और संस्कृत नाम संविधान के अनुच्छेद 348 का उल्लंघन करते हैं, जिसमें कहा गया है कि कानूनों के नाम सहित आधिकारिक पाठ अंग्रेजी में होने चाहिए।

सांसदों ने समझ करके नाम दिया

केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एआरएल सुंदरेशन ने तर्क दिया कि नए नाम संसद की इच्छा को दर्शाते हैं, जिसने अपने विवेक से कानूनों का नामकरण किया था। यह संसद की समझदारी या अधिकार है। हम सभी ने संसद को चुना है और इन सांसदों ने अपनी समझदारी से इसका नाम रखा है। नामों में उनकी इच्छा झलकती है। अगर यह संविधान के खिलाफ है, तो ठीक है। लेकिन इससे किसी के अधिकार प्रभावित नहीं होते। उन्होंने तर्क दिया कि नाम भी अंग्रेजी अक्षरों में थे, जिससे वे सरल और सुलभ हो गए।

अंग्रेजी में नाम करने की मांग उठाई

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 348 के अनुसार सभी आधिकारिक पाठ अंग्रेजी में होने चाहिए। नए कानूनों के नाम आधिकारिक पाठ हैं, जिन्हें अक्सर वकीलों द्वारा उद्धृत किया जाएगा। इसलिए, नाम भी अंग्रेजी में होने चाहिए। सुंदरेसन ने इसका खंडन करते हुए कहा कि नए कानूनों के नाम भी अंग्रेजी में थे, क्योंकि अंग्रेजी अक्षरों का इस्तेमाल किया गया था। समय बीतने के साथ जनता और वकील नए नामों के आदी हो जाएंगे। नाम मौलिक अधिकारों को प्रभावित नहीं करते हैं, जिसके लिए कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ता है।

स्वयं सहायता समूह महिला उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए मिलाया हाथ

ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय और उद्यम मंत्रालय ने समझौता पत्र पर किए हस्ताक्षर

लखपति दीदियों के सशक्तिकरण में सहायक होगा मंत्रालयों का तालमेल

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय और केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने महिलाओं के नेतृत्व वाले ग्रामीण उद्यमों को औपचारिक रूप देने और सुदृढ़ करने में सहयोग करने के लिए एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

ग्रामीण विकास मंत्रालय की संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय की संयुक्त सचिव मर्सी एपाओ ने नई दिल्ली के कृषि भवन में इस आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव शैलेश कुमार

सिंह, केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के सचिव एससीएल दास, एमओआरडी के अतिरिक्त सचिव चरणजीत सिंह, दोनों मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर स्वाति ने जोर देकर कहा कि एमएसएमई मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय के बीच इस आशय पत्र पर हस्ताक्षर करना सरकार के संपूर्ण दृष्टिकोण को दिखलाता है। ये सहयोग पीएम नरेंद्र मोदी के विजन के अनुसार लखपति दीदियों के सशक्तिकरण में सहायक होगा। मर्सी एपाओ ने कहा कि ये आशय पत्र दोनों मंत्रालयों के बीच साझेदारी को सुदृढ़ करेगा, जिससे उद्यमिता में एसएचजी दीदियों को समर्थन और बढ़ावा दिया जा सकेगा। इससे एमएसएमई मंत्रालय की यशस्विनी अपना उद्यम, अपनी पहचान, उद्यम सहायता जैसी प्रमुख पहलों का लाभ उठाया जा सकेगा।

अब छपरा में भरभराकर गिरा पुल

15 दिन में 10वां ब्रिज ध्वस्त

छपरा। बिहार के छपरा में गुरुवार को भी पुल गिरने की घटना हुई। गुरुवार की सुबह बनियापुर के सरेया में ग्रामीण पुल का पाया व पुल का बीच का हिस्सा धंस गया। दरअसल, बिहार में 15 दिन में 10 पुल टूट चुके हैं।

अब ऑनलाइन होंगे काशी में स्थित सभी मंदिर, सर्वे पूरा

पर्यटकों की सुविधाओं के लिए लगेंगे क्यूआर कोड

एजेंसी ⏭ काशी

काशी के करीब 700 धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार की तैयारी है। इनमें हिंदू मंदिरों के अलावा जैन, बौद्ध मंदिर और गुरुद्वारे भी शामिल हैं। जिले के पर्यटन स्थलों तक सैलानियों की पहुंच बढ़ाने के मकसद से मंदिरों और गुरुद्वारों का कायाकल्प किया जाएगा।

पर्यटन विभाग ने इसके लिए काशी के धर्मस्थलों का सर्वे कराया है। बौद्ध, जैन मंदिरों और गुरुद्वारों का जीर्णोद्धार कराने के साथ ही इनसे जुड़े साहित्य को ऑनलाइन किया जाएगा। इन धार्मिक स्थलों को क्यूआर कोड से लैस किया जाएगा, ताकि पर्यटकों को ऑनलाइन विस्तृत जानकारी मिल सके। पहले चरण में 300 धर्मस्थलों का जीर्णोद्धार कराया जा चुका है।

इसमें जैन, बौद्ध मंदिर और गुरुद्वारे भी शामिल

700 धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार होगा

300 मंदिरों का ऑनलाइन काम पूरा

पहले चरण में काशी में 300 मंदिरों को क्यूआर कोड से लैस करने के साथ उनसे संबंधित साहित्य का डिजिटलीकरण कराया जा चुका है। दूसरे फेज में काशी के करीब 700 मंदिरों, धरोहरों की जानकारी एकत्र कर कायाकल्प किया जाएगा। स्थलों की जानकारी ऑनलाइन करने के साथ उन्हें क्यूआर कोड से पर्यटकों को काफी आसानी होगी।

धरोहरों के संक्षिप्त इतिहास की एक साथ जानकारी मिलेगी

उपनिदेशक पर्यटन आरके रावत ने कहा कि धार्मिक स्थलों, पौराणिक मान्यताओं से संबंधित साहित्य जुटाकर सर्वे कराने के बाद शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। धार्मिक, पुरातात्विक विशेषज्ञों से जानकारी एकत्र करने के साथ ही 7माह तक स्थलीय सर्वे चला था। धार्मिक स्थलों के पास पर्यटन विभाग स्टील के साइनेज लगाएगा। मंदिरों, गुरुद्वारों, धरोहरों का संक्षिप्त इतिहास लिखा जाएगा। क्यूआर कोड रहेगा। उसमें विस्तृत इतिहास रहेगा।

पीटीईटी परीक्षा 2024 का परिणाम घोषित

जयपुर/कोटा। राज्य के दो वर्षीय बीएड एवं चार वर्षीय बीएड एवं बीएससी बीएड पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 9 जून को हुई परीक्षा का परिणाम गुरूवार को जयपुर में घोषित कर दिया गया। इस बार परीक्षा में 4 लाख 28 हजार 242 अभ्यर्थी पंजीकृत हुए। परीक्षा में 3 लाख 79 हजार अभ्यर्थी उपस्थित हुए। परीक्षा का आयोजन वर्धमान महावीर खुला विवि कोटा द्वारा किया गया। परीक्षा परिणाम राज्य के उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने विश्वविद्यालय के जयपुर स्थित क्षेत्रीय केन्द्र पर एक समारोह में घोषित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर कैलाश सोडाणी ने की। कुलपति जी ने परीक्षा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। दो वर्षीय बीएड में हनुमानगढ़ के देवीलाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, उन्हें 526 अंक मिले। चार वर्षीय बीए बीएड में झुंझनू की अक्षरा सैनी 514 अंक हासिल कर पहला स्थान पाया वहीं चार वर्षीय बीएससी बीएड में डूंगरपुर के मीत पसोली ने 511 अंक पाकर प्रथम स्थान हासिल किया तथा उदयपुर की निशा पटेल ने 509 अंक पाकर दूसरा स्थान हासिल किया।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,